E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 68 | प्रयागराज, बुधवार 20 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प ने ईरान पर होने वाला हमला टाला

ट्रम्प-नेतन्याहू की हत्या करने वाले को रु500 करोड़ देगा ईरान, संसद में बिल लाने की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी। ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को रु500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल को तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि 'इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है। ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने कहा कि संसद जल्द इस बिल पर वोटिंग कर सकती है, जो ट्रम्प और नेतन्याहू को जहन्नुम पहुंचाने वालों को इनाम देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई सैन्य और राजनीतिक नेताओं की मौत के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। इस बीच ट्रम्प ने कहा है कि उन्होंने ईरान पर मंगलवार को होने वाला हमला फिलहाल टाल दिया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे गल्फ देशों के नेताओं ने बातचीत को मौका देने के लिए कुछ दिन का समय मांगा था। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स:-1. ट्रम्प की ईरान को धमकी- जल्दी समझौता करो, वरना

कुछ नहीं बचेगाः ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि घड़ी तेजी से चल रही है और अगर जल्द समझौता नहीं हुआ तो गंभीर नतीजे होंगे। 2. अमेरिका-इजराइल की ईरान पर नए हमले की तैयारीः रिपोर्ट्स के मुताबिक, जर्मनी स्थित अमेरिकी ठिकानों से हथियार लेकर दर्जनों कार्गो विमान इजराइल पहुंचे हैं। वहीं नेतन्याहू और ट्रम्प ने संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर बातचीत की। 3. होर्मुज में बढ़ा संकट, 1500 कारोबारी जहाज फंसेः ईरान तनाव और समुद्री नाकेबंदी के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में करीब 1,500 कारोबारी जहाज फंसे हुए हैं। इन पर 20 हजार से ज्यादा नाविक मौजूद हैं। एक्सपर्ट्स ने मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा बताया है। 4. सऊदी अरब पर ड्रोन हमला, कुवैत-कतर ने की निंदाः सऊदी अरब ने दावा किया कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने इराक की दिशा से आए 3 ड्रोन मार गिराए। कुवैत और कतर ने इसे सऊदी संप्रभुता और क्षेत्रीय सुरक्षा पर हमला बताया। 5. ईरान में लड़कियों को एके-47 ट्रेनिंगः अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान में युवा लड़कियों को एके-47 असॉल्ट राइफल असेंबल और डिसअसेंबल करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। तेहरान पुलिस ने पत्रकार बनकर काम कर रहे दो संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। ईरानी एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, दोनों पर सैन्य और खुफिया जानकारी विदेश भेजने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, दोनों पश्चिमी और उत्तरी तेहरान में सक्रिय थे और खुद को पत्रकार बताकर संवेदनशील जानकारी जुटा रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि जानकारी ईरान विरोधी नेटवर्क्स को भेजी जा रही थी।

राहुल बोले- कॉम्प्रोमाइज पीएम सवालों से भागते दिखे,मोदी ने नॉर्वे में पत्रकार को जवाब नहीं दिया था

नयी दिल्ली। राहुल गांधी ने पीएम मोदी की नॉर्वे की प्रेस मीट को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस

नेता ने एक्स पर लिखा, जब दुनिया एक कॉम्प्रोमाइज पीएम को कुछ सवालों से घबराकर भागते हुए देखती है तो भारत की छवि पर क्या असर पड़ता है। जब छिपाने के लिए कुछ नहीं है तो डरने की भी कोई बात नहीं है।राहुल गांधी ने नॉर्वे की महिला जर्नलिस्ट हेली लिंग की एक्स पोस्ट शेयर करते हुए यह सब लिखा। पीएम मोदी ने सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोरे के साथ जॉइंट प्रेस मीट की, लेकिन मीडिया के सवाल नहीं लिए। हेली लिंग ने प्रेस मीट के दौरान पूछा कि पीएम मोदी आप दुनिया की सबसे आजाद प्रेस के कुछ सवालों के जवाब क्यों नहीं देते। जवाब ना मिलने पर हेली ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर लिखा- नॉर्वे वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स में पहले नंबर पर है, जबकि भारत 157वें नंबर पर है। वह इस मामले में फिलीस्तीन, एमीरात्स और क्यूबा से मुकाबला कर रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने हेली लिंग की पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा कि भारतीय दूतावास आज रात प्रधानमंत्री के दौरे पर एक प्रेस ब्रीफिंग आयोजित कर रहा है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

खतरनाक कुत्तों को मौत का इंजेक्शन दें,लोगों की सुरक्षा जरूरी, जो अफसर निर्देश न माने, उस पर अवमानना का केस चले-SC

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि खतरनाक या रेबीज से संक्रमित आवारा कुत्तों को प्लेस से आवारा कुत्तों को हटाने के निर्देश जारी किए थे। कोर्ट ने कहा था कि आवारा कुत्तों को जहां

इंजेक्शन लगाकर मारा जा सकता है, लोगों की जान की हिफाजत जरूरी है और गरिमा के साथ जीने में कुत्तों के खतरे से मुक्त होकर रहने का अधिकार भी शामिल है। मंगलवार को दिए गए इस मामले पर आखिरी फैसले के साथ ही कोर्ट ने सार्वजनिक जगहों से आवारा कुत्तों को हटाने के आदेश के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाएं खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों के पुनर्वास और नसबंदी पर नवंबर 2025 में दिए गए निर्देश ही लागू होंगे। जो अफसर इनका पालन न करें, उन पर अवमानना का केस चले। नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हाईवे जैसे पब्लिक से पकड़ें, नसबंदी और टीकाकरण के बाद वहीं न छोड़ें। ऐसे कुत्तों को शेल्टर होम्स में रखें। अदालत ने सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर भी बैन लगाया था। इसके बाद कई डॉग लवर्स और एनजीओ ने इन निर्देशों को रद्द कराने के लिए कई याचिकाएं दाखिल की थीं। हालांकि इन याचिकाओं की संख्या की जानकारी नहीं दी गई है। मंगलवार के आदेश की 8 अहम बातें- राज्य सरकारें पशु कल्याण बोर्ड के नियमों को मजबूत करें और सही तरीके से लागू करें। हर जिले में पूरी तरह काम करने वाला एक एबीसी सेंटर (एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर) बनाया जाए। जहां आवारा कुत्तों की आबादी ज्यादा है, वहां जरूरत के हिसाब से एबीसी सेंटरों की संख्या बढ़ाई जाए। जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर भी ये नियम लागू करने पर फैसला लिया जाए और उसे तय समय में लागू किया जाए। एंटी-रेबीज दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एनएचएआई नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाए, जैसे पुराने ट्रांसपोर्ट वाहनों का इस्तेमाल कर उन्हें हटाना। एनएचएआई इसकी मॉनिटरिंग भी करे। रेबीज से संक्रमित और बेहद खतरनाक कुत्तों को कानून के तहत और जरूरत पड़ने पर यूथेनेशिया (दया मृत्यु) जैसे कदम उठाए जा सकते हैं ताकि लोगों का जीवन सुरक्षित रहे। कोर्ट के आदेश लागू करने वाले नगर निगम और सरकारी अधिकारियों को कानूनी सुरक्षा दी जाए। सामान्य तौर पर उनके खिलाफ एफआईआर और सख्त कार्रवाई न की जाए। राजस्थान के श्री गंगानगर में एक महीने में कुत्तों के काटने की 1084 घटनाएं सामने आईं। छोटे बच्चों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें चेहरों पर गहरे घाव शामिल हैं। तमिलनाडु में साल के पहले चार महीनों में कुत्तों के काटने की लगभग 2 लाख घटनाएं दर्ज की गईं। सूरत में एक जर्मन यात्री को कुत्ते ने काट लिया।

भारत रूसी कच्चा तेल खरीदता रहेगा,फंसे जहाजों से तेल खरीदने के लिए यूएस की 30 दिन की राहत

नयी दिल्ली। अमेरिका की तरफ से मिलने वाली प्रतिबंधों की छूट खत्म होने के बाद भी भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से हमारे इम्पोर्ट प्लान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस बीच वैश्विक सप्लाई संकट को देखते हुए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के जहाजों से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों का अस्थायी लाइसेंस जारी कर दिया। अमेरिकी ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। बेसेंट के मुताबिक इससे अतिरिक्त लचीलापन मिलेगा। यह सामान्य लाइसेंस कच्चे तेल के बाजार को स्थिर करने और ऊर्जा की दृष्टि से संवेदनशील देशों तक तेल की पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होगा। मई में रोजाना आया रिकॉर्ड 23 लाख बैरल क्रूड-सुजाता शर्मा ने कहा कहा कि भारत का रुख इस मामले में हमेशा से साफ रहा है। भारत अमेरिकी छूट मिलने से पहले भी रूस से तेल खरीद रहा था, छूट के दौरान भी खरीदा और आगे भी इसे जारी रखेगा। सरकार ने देश की जरूरत के मुताबिक पहले ही कच्चे तेल की पर्याप्त सप्लाई का इंतजाम कर लिया है, इसलिए देश में क्रूड ऑयल की कोई कमी नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि भारत ने मई महीने में रूस से रिकॉर्ड 23 लाख बैरल प्रति दिन कच्चे तेल का आयात किया। अमेरिका ने 16 मई तक रूसी तेल खरीदने की अनुमति दी थी- दुनियाभर में तेल के दाम न बढ़ें और पेट्रोल-डीजल की सप्लाई सामान्य रहे, इसके लिए अमेरिका ने मार्च में भारत जैसे देशों को रूस से तेल खरीदने की एक विशेष छूट दी थी। पहले यह छूट 16 मई तक के लिए बढ़ाई गई थी। हालांकि, जब से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ है, तब से अमेरिका लगातार भारत पर यह दबाव बना रहा है कि वह रूस से सस्ते दामों पर कच्चा तेल खरीदना कम कर दे। घरेलू बाजार में महंगाई रोकने के लिए सप्लाई जरूरी-ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अधिकारियों ने अमेरिकी प्रशासन को स्पष्ट कर दिया था कि ग्लोबल मार्केट में उतार-चढ़ाव के बीच देश की तेल सप्लाई बनाए रखना सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है। अधिकारियों ने चेतावनी भी दी थी कि अगर तेल की सप्लाई में कोई रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। इससे देश में डोमेस्टिक कुकिंग गैस (एलपीजी) जैसी जरूरी चीजों की किल्लत और महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि, इस पूरे मामले पर भारत के तेल मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी। मई में रूस से तेल आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा-अमेरिकी छूट की डेडलाइन खत्म होने से पहले भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद काफी तेज कर दी है। डेटा इंटेलिजेंस एजेंसी केपलर के आंकड़ों के मुताबिक, मई महीने में अब तक भारत का रूसी तेल आयात रिकॉर्ड 23 लाख बैरल प्रति दिन के स्तर पर पहुंच गया है, जो अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। विश्लेषकों का अनुमान है कि पूरे मई महीने का औसत आयात भी करीब 19 लाख बैरल प्रति दिन के आसपास रहने वाला है।

अडाणी एंटरप्राइजेस ट्रंप प्रशासन को रु2,300 करोड़ चुकाएगी

नयी दिल्ली। भारतीय कारोबारी गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन का मामला सुलझा लिया है। इसके लिए कंपनी अमेरिकी ट्रेजरी को सेटलमेंट राशि के रूप में करीब 2,300 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने सोमवार को इस समझौते की आधिकारिक घोषणा की। यह मामला ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के 32 संभावित नागरिक दायित्व उल्लंघनों से जुड़ा हुआ है। ट्रेजरी विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल ने एक बयान में बताया कि दोनों पक्षों के बीच इस बड़ी राशि के भुगतान को लेकर सहमति बन गई है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने इस साल फरवरी में ही साफ कर दिया था कि वह अमेरिकी जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

अमेरिका की सैन-डिएगो मस्जिद में गोलीबारी,एक गार्ड और 2 संदिग्ध समेत 5 की मौत,धार्मिक नफरत से जुड़े हमले की आशंका

सैन-डिएगो। अमेरिका के सैन डिएगो स्थित मस्जिद में सोमवार को गोलीबारी में 5 लोगों की मौत

हो गई। इनमें एक सिक्योरिटी गार्ड और दो संदिग्ध शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों संदिग्ध किशोर थे। एक की उम्र 17 साल और दूसरे की 19 साल थी। दोनों के शव मस्जिद के पास एक वाहन में मिले। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि उन्होंने खुद को गोली मारी। इस मामले की जांच हेट क्राइम के एंगल से की जा रही है। हालांकि, हमले के पीछे की वजह पर फिलहाल ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है। यह हमला इस्लामिक सेंटर ऑफ सैन डिएगो में हुआ। यह सैन डिएगो काउंटी की सबसे बड़ी मस्जिद है। परिसर में एक स्कूल भी है, जहां बच्चों को अरबी भाषा, इस्लामिक स्टडीज और कुरान की शिक्षा दी जाती है। गैर-मुस्लिमों का दौरा चल रहा था- मस्जिद के इमाम ताहा हस्साने ने बताया कि सोमवार को कुछ गैर-मुस्लिम लोग इस्लाम को समझने के लिए मस्जिद के दौरे पर आए थे। यह सेंटर अलग-अलग समुदायों के बीच संवाद और मेलजोल बढ़ाने के लिए काम करता है। उन्होंने बताया कि स्कूल के सभी शिक्षक और छात्र सुरक्षित हैं। फिलहाल कोई खतरा नहीं है, लेकिन लोगों से मस्जिद से दूर रहने को कहा गया है। एहतियात के तौर पर सेंटर को पूरे दिन के लिए बंद कर दिया गया। मस्जिद की वेबसाइट के मुताबिक, यहां सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लिए धार्मिक गतिविधियां नहीं होतीं, बल्कि सामाजिक कामों में भी दूसरे समुदायों के साथ मिलकर काम किया जाता है। यहां रोज पांच वक्त की नमाज होती है। गवर्नर बोले- कैलिफोर्निया मुस्लिम समुदाय के साथ है- कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने मुस्लिम समुदाय से कहा कि कैलिफोर्निया आपके साथ खड़ा है। जहां परिवार और बच्चे जुटते हैं, जहां लोग शांति से इबादत करते हैं, वहां ऐसा हमला बेहद भयावह है। कैलिफोर्निया में नफरत की कोई जगह नहीं है।' उन्होंने बताया कि कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल और गवर्नर ऑफिस ऑफ इमरजेंसी सर्विसेज की टीमें मौके पर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर रही हैं। अमेरिका में फल और सब्जी खरीदने जैसा है बंदूक खरीदना- अमेरिका में गन कल्चर का इतिहास करीब 230 साल पुराना है। 1791 में संविधान के दूसरे संशोधन के तहत अमेरिका नागरिकों को हथियार रखने और खरीदने का अधिकार दिया गया। अमेरिका में इस कल्चर की शुरुआत तब हुई थी, जब वहां अंग्रेजों का शासन था। उस समय वहां स्थायी सिक्योरिटी फोर्स नहीं थी, इसीलिए लोगों को अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए हथियार रखने का अधिकार दिया गया, लेकिन अमेरिका का ये कानून आज भी जारी है।

प्रचंड गर्मी से धधक रहा प्रयागराज,10 राज्यों में अगले 7 दिन हीटवेव की चेतावनी, बांदा 47.6डिग्री पे अड़ा-देश में सबसे गर्म

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/लखनऊ। प्रचंड गर्मी से धधक रहा बांदा, प्रयागराज

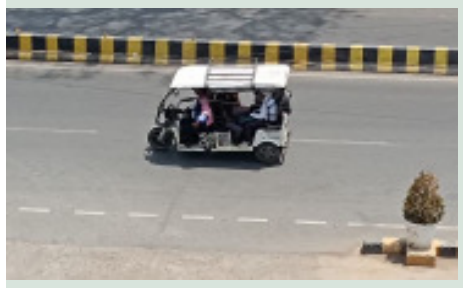

समेत कई हिस्सों में गर्मी जानलेवा हो गयी हैं अभी आने वाले कुछ दिन और फजीयत होने की संभावना हैं 70 फीसदी यूवी किरणे सीधा सीधा धरती पर पड़ रही हैं जिससे त्वचा के गंभीर बिमारियों की भी संभावनाओं को बल मिल रहा हैं। सिविल लाइन्स में लोग 12 बजे के बाद निकलने से घबरा रहे सड़के दोपहर को सुनसान हो जा रही आये दिन कहीं न कहीं आग लगने की खबरे भी आ रही हैं। प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रहीं हैं। उत्तर और मध्य भारत के 10 राज्यों में इस हफ्ते तेज गर्मी जारी रहेगी। इन राज्यों में कई जगह तापमान 45डिग्री और इससे ऊपर पहुंच चुका हैं। 24 मई तक यहां हीटवेव का असर रहेगा, रातें भी गर्म रहेंगी। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र में मुताबिक मंगलवार को पूर्वोत्तर और दक्षिणी इलाकों को छोड़कर लगभग आधे देश में हीटवेव का असर रहेगा। औसत तापमान 45डिग्री तक रह सकता हैं। 20 मईः-राजस्थान के 19 जिलों में, यूपी के 33 जिलों और पंजाब के 10 जिलों में हीटवेव का अलर्ट। झारखंड में बारिश का ऑरेंज अलर्ट। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। 21 मईः-राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी हीटवेव चलेगी। असम, मेघालय, केरल, सोमवार को अधिकतम पारा 46डिग्री से ज्यादा रहा। उत्तर

प्रदेश का बांदा 47.6डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। पंजाब के बठिंडा में 47डिग्री, महाराष्ट्र के वर्धा में 46.5डिग्री, हरियाणा के सिरसा में 46.2डिग्री, राजस्थान के चित्तौड़गढ़-पिलानी में 46.2डिग्री तापमान रहा। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट के नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और हीटवेव का प्रकोप जारी है। पारा 47डिग्री पार कर गया है। बांदा लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म शहर रहा, यहां अधिकतम तापमान 47.6डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आज प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी समेत 39 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है।

दावा- इमरान खान का तख्तापलट अमेरिकी साजिश थी,पाकिस्तानी सेना ने साथ दिया

इस्लामाबाद/वॉशिंगटन। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार गिरने को लेकर इसके बाद 7 मार्च 2022 को वॉशिंगटन में पाकिस्तान के तत्कालीन राजदूत असद मजीद

नया दावा सामने आया है। अमेरिकी मीडिया आउटलेट ड्रॉप साइट न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान की कुर्सी सिर्फ अविश्वास प्रस्ताव से नहीं गई थी। इसके पीछे अमेरिकी साजिश और पाक सेना की भूमिका थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान ने 24 फरवरी 2022 को मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। ठीक उसी दिन रूस ने यूक्रेन पर हमला शुरू किया था। अमेरिका इस यात्रा से नाराज था। वह चाहता था कि पाकिस्तान यूक्रेन युद्ध पर रूस की खुलकर आलोचना करे, लेकिन इमरान सरकार ने तटस्थ रुख अपनाया। खान और अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू के बीच बातचीत हुई। लू ने मजीद से कहा कि अगर इमरान अविश्वास प्रस्ताव में हट जाते हैं तो अमेरिका 'सब माफ' कर देगा। इसके 33 दिन बाद यानी 9 अप्रैल 2022 को इमरान सरकार गिर गई। वॉशिंगटन के एक होटल में लू ने मजीद को लंच टेबल पर इमरान को हटाने का दबाव दिया था। लू ने यूक्रेन युद्ध पर पाक रुख पर नाराजगी जताई। उन्होंने क?हा कि पाक रूस की आलोचना नहीं कर रहा है और अमेरिका-यूरोप को यह स्वीकार नहीं है। लू ने कहा, इमरान की रूस यात्रा से अमेरिका नाराज है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

राहुल गांधी बोले- आर्थिक तूफान आने वाला है,बहुत मुश्किल समय आ रहा है, एक्शन लेने के बजाए मोदीजी विदेश चले गए

रायबरेली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के यूपी दौरे पर हैं। मंगलवार को रायबरेली में उन्होंने कहा- आर्थिक तूफान अब आने वाला है। पीएम मोदी ने अदाणी और अंबानी वाला जो आर्थिक ढांचा बनाया है, वह खड़ा नहीं हो पाएगा, बल्कि पूरा टूटेगा। दुख की बात है कि इसका नुकसान आम जनता को होगा।राहुल गांधी ने कहा-'यूपी की जनता को शॉक लगेगा। आर्थिक शॉक आ रहा है। वह अदाणी, अंबानी या पीएम मोदी को नहीं लगेगा। वह यूपी के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने की बजाए प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर काट रहे हैं।' राहुल मंगलवार सुबह 11.30 बजे दिल्ली से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने उनका स्वागत किया। सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक बैनर-पोस्टर लेकर एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने 'राहुल गांधी जिंदाबाद' के

नारे लगाए। लखनऊ से राहुल कार से रायबरेली रवाना हुए। रास्ते में काफिला रुकवाकर चुरुवा मंदिर में हनुमानजी के दर्शन किए। पुजारी ने उन्हें माला पहनाई। प्रसाद दिया। फिर बछरावां में सांसद निधि से बने मैरिज हॉल का उद्घाटन किया। गांव के लोगों से बात की। राहुल गांधी मंगलवार रायबरेली में रहेंगे। वह खीरो गांव में एक छोटी जनसभा को संबोधित करेंगे। लालगंज में महिला संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। कल यानी 20 मई को जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों से मिलेंगे। स्वतंत्रता सेनानी वीरा पासी की मूर्ति का अनावरण करेंगे। इसके बाद अमेठी रवाना हो जाएंगे। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राहुल गांधी 6 बार रायबरेली आ चुके हैं। यह उनका 7वां दौरा है। इससे पहले, 19 जनवरी 2026 को रायबरेली आए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल 2027 में विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। राहुल गांधी ने खीरो में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बढ़ती महंगाई, आर्थिक संकट, बेरोजगारी और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर सरकार को घेरा। राहुल गांधी ने कहा कि राजनीति का मतलब लोगों का ध्यान भटकाना और जनता की जेब से पैसा निकालना बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में जनता के मुद्दे उठाने पर उनका माइक बंद कर दिया जाता है।

लेखपाल मुख्य परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ व अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा 21 मई 2026 (बृहस्पतिवार) को आयोजित की जाने वाली लेखपाल मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0-2025)/01 की परीक्षा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट/स्टैटिक मजिस्ट्रेट/ केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में परीक्षा से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं जैसे परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पेपर की गोपनीयता, पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, बिजली, पेयजल, स्वच्छता व चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा 21 मई 2026 (बृहस्पतिवार) को पूर्वान्ह 10:00 बजे से अपरान्ह 12:00 बजे तक जनपद रायबरेली के 10 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी, जिसमें कुल 3648 अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे। प्रश्नगत परीक्षा को शुचितापूर्ण, सकुशल सम्पन्न कराने हेतु उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ के निर्देश पुस्तिका के अनुरूप प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये गये है। परीक्षा केन्द्र पर तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेट आवंटित परीक्षा केन्द्रों की भौगोलिक स्थिति की जानकारी सममय अवश्य कर लेंगे और परीक्षा दिवस पर परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व कम से कम 03 घंटा पहले अनिवार्य रूप से पहुंच जायेगें। परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग, सी0सी0 टी0वी0 कन्ट्रोल रूम इत्यादि का निरीक्षण करेंगे। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त तैनात स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जिला विद्यालय निरीक्षक रायबरेली परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर लें यदि किसी परीक्षा केन्द्र पर निर्देश पुस्तिका के अनुरूप व्यवस्थापन में कोई कमी परिलक्षित होती है तो केन्द्र व्यवस्थापक के ससमय पूर्ण करा लें, समस्त तैनात अधिकारी/ कर्मचारी आपस में समन्वय स्थापित कर प्रश्नगत परीक्षा को शुचितापूर्ण, सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

दिव्यांगजनों की हित सेवाओं व उनके समाधान तथा सामान्य जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से व्हॉट्सअप एवं टेलीफोन सेवा प्रारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, जनपद सोनभद्र के भौगालिक परिवेश एवं जनपद के सुदूर वर्ती तथा रिमोट एरिया में रहने वाले दिव्यांगजनों की पृच्छाओं समस्याओं, उनके समाधान तथा सामान्य जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से व्हॉट्सअप एवं टेलीफोन सेवा प्रारम्भ की गयी है। इस सेवा से ग्रामीण अंचल में निवास करने वाले दिव्यांगजन अपनी समस्याओं तथा आवश्यकताओं के बारे में विभाग के मोबाईल नम्बर-9140822326 एवं 8382072201 पर सुबह 10:00 बजे से सायं 05:00 के मध्य किसी भी कार्यदिवस में अपनी समस्या बताकर उसका निराकरण प्राप्त कर सकते है। इस सेवा से दिव्यांगजनों को जनपद मुख्यालय स्थित कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग में आने एवं जाने पर होने वाले आर्थिक व्यय एवं समय की बचत के साथ शीघ्र समस्या का निवारण प्राप्त होगा। दूरभाष सेवा पर विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं उनकी पात्रता, उनके आवेदन प्रक्रिया के संबंध में तथा आवेदन उपरान्त अद्यतन प्रगति की भी जानकारी प्रदान कर सकेंगे।

रामराज सिंह गोंड बोले- महंगाई की मार से बेहाल गरीब, पेट्रोल-गैस के दाम वापस लो

सोनभद्र कांग्रेस का लोढ़ी पर धरना-प्रदर्शन, राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपकर ईंधन कीमतें कम करने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र ने देश में लगातार बढ़ रही महंगाई और ईंधन की कीमतों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय लोढ़ी पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन भेजकर बढ़ी हुई कीमतें तुरंत वापस लेने की मांग की। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में कहा गया है कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, और घरेलू व व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडरों के दामों में लगातार बेतहाशा वृद्धि की जा रही है। इससे परिवहन महंगा हो गया है और दैनिक उपभोग की हर वस्तु के दाम आसमान छू रहे हैं। महंगाई की इस मार से गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग का जीना दूभर हो गया है। छोटे दुकानदार और ठेला-खोमचा लगाने वाले लोग भी इस संकट से बुरी तरह प्रभावित हैं। कांग्रेस कमेटी ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लिया जाए, घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के दाम कम कर आम जनता को राहत दी जाए, और देश में बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण के लिए एक ठोस नीति बनाकर उसे अविलंब लागू किया जाए। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड सहित कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यदि सरकार ने बढ़ती कीमतों पर जल्द ही लगाम नहीं लगाई, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। कार्यक्रम में शहर अध्यक्ष फरीद अहमद, नि. प्रदेश सचिव जितेन्द्र पासवान, कमलेश ओझा, पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष बृजेश तिवारी, कोषाध्यक्ष राजबली पांडे, शारद पनिका, सुनीता तिवारी, जिला महासचिव प्रवक्ता इनामुल हक अंसारी, पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सेतराम केशरी, पीसी सदस्य आशुतोष कुमार दुबे, आरटीआई जिला चेयरमैन श्रीकांत मिश्रा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवकाश के दिनों में घर पर पढ़ाई के साथ करें इंज्वाय, बच्चों को सिखाया गया गुर, परमहंस पब्लिक स्कूल एवं पंडित विद्याधर इंटर कालेज कबरी में हुआ समर कैंप का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। परमहंस पब्लिक स्कूल एवं पंडित विद्याधर इंटर कॉलेज कबरी में प्रबंधक डॉक्टर धर्मवीर तिवारी के दिशा निर्देश पर मंगलवार को समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को अवकाश के दिनों में पढ़ाई के साथ ही इंज्वाय करने का गुर सिखाया गया। मासिक टेस्ट के उपरांत इस भीषण गर्मी में जब बच्चे एक माह के लिए अवकाश पर घर जा रहे हैं, तब इस गर्मी को समर कैंप के माध्यम से विद्यालय में बच्चों को विविध कार्यक्रमों के जरिए इंज्वाय कराया गया। प्रातः ही छात्र-छात्राएं बड़े उत्साह के साथ विद्यालय पहुंचकर अपने कक्षा-कक्ष को गुब्बारे, हरे पेड़- पौधे एवं सुंदर चित्र के माध्यम से मनमोहक रूप से सजाया था। तदुपरांत बच्चे गीत एवं डांस कर आत्मविभोर हो रहे थे। विद्यालय की तरफ से बच्चों को पॉपकॉर्न, तरबूज, कोल्ड ड्रिंक चॉकलेट इत्यादि खाद्य पदार्थों को खिला-पिलाकर उन्हें एक माह के लिए विदा किया गया। पूरे विद्यालय में उत्सव का माहौल बना रहा। बच्चे और अध्यापक सभी खुश नजर आ रहे थे। संरक्षक सुरेश तिवारी ने बच्चों को भीषण गर्मी से बचने के दिशा-निर्देश दिए तो प्रधानाचार्य ओम प्रकाश चतुर्वेदी ने कहा कि 'इस अवकाश के दिनों को बेकार नहीं जाने देना है ,बल्कि घर पर रहकर शिक्षा ग्रहण करना है।' वरिष्ठ अध्यापक श्रवण कुमार पाण्डेय ने कहा कि 'हम इस धरा को पाकर धन्य हुए हैं, जहां गर्मी, वर्षा और जाड़ा बारी-बारी से आती रहती हैं। हमें इनमें भी उत्सव ढूंढना चाहिए। इस अवसर पर अनुराग त्रिपाठी, कृष्णदेव पाण्डेय, समीर खान, राजू प्रसाद, पूजा सिंह, पूजा पाण्डेय, श्वेता सिंह, पूजा भारती, पायल सोनी, प्रीति, श्रेया पाण्डेय इत्यादि अध्यापक/ अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

सोनभद्र में भाजपा के दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ शहर स्थित अविनाश होटल में भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से आए जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति देखने को मिली। प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत बनाना, कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा एवं संगठनात्मक कार्यशैली से जोड़ना तथा आगामी चुनावों के लिए तैयार करना रहा। प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री शंकर गिरी मौजूद रहे। उन्होंने 'बूथ प्रबंधन' विषय पर कार्यकर्ताओं को विस्तार से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर तक मजबूत संगठन है। बूथ को चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बताते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक मतदाता तक पहुंच बनाने, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठनात्मक समन्वय बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ ही भाजपा की जीत का आधार है। द्वितीय सत्र में अनिल श्रीवास्तव ने 'भाजपा का इतिहास' विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी के गठन और विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने तक के संघर्ष एवं विकास की जानकारी दी। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान नेताओं के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद, सेवा और सुशासन की विचारधारा पर कार्य करने वाला संगठन है। वहीं नागेंद्र रघुवंशी ने 'कार्यपद्धति' विषय पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने संगठन की कार्यशैली, अनुशासन, टीम भावना और कार्यकर्ता आधारित संरचना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा में प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और संगठन की मजबूती सामूहिक कार्य एवं समर्पण से ही संभव है। इसके साथ ही अशोक चौरसिया ने 'कार्य विस्तार एवं चुनाव प्रबंधन' विषय पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान, बूथ सशक्तिकरण एवं चुनावी रणनीति पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल चुनाव जीतना नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच बनाकर राष्ट्र निर्माण में सहभागिता सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग संगठन को नई दिशा और ऊर्जा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा निरंतर प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को मजबूत बनाकर संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त कर रही है। कार्यक्रम में जिले के समस्त जनप्रतिनिधि, क्षेत्र एवं प्रदेश पदाधिकारी, पूर्व जिलाध्यक्ष , पूर्व सांसद, जिला कार्यसमिति सदस्य, ब्लॉक प्रमुख, चेयरमैन तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मारकुंडी (कोनियावा)के पप्पू पुत्र आकाश को भी मिला इंटरनेशनल कराटे खेल कर देश का नाम रौशन करने का मौका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शिवाको रॉक थंडर सोतोकान कराटे एसोसिएशन ऑफ सोनभद्र कराटे खिलाड़ी सनी कनौजिया के बाद आकाश को भी मिला विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका एक छोटे से गांव कोनियावा मारकुंडी के रहने वाले पप्पू पुत्र आकाश ने इंटरनेशनल का ट्रायल पास कर नेपाल कराटे चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेंगे। ट्रायल पास होते ही इनके सुपर गुरु शेहान सुरेश पाल सर व ट्रेनर कोच सेंसेई किशन राज व आकाश

के पिताजी ने अग्रिम जीत की बधाई देते हुए भारत माता के लिए स्वर्ण पदक जीतने का आशीर्वाद दिए, ट्रेनर कोच सेंसई किशन सर ने बताया कि सलखन के गांधी निधि खेल ग्राउंड में कराटे ट्रेनिंग लेने के लिए दूर दूर से बच्चे आते है और हर वर्ष प्रदेश स्तर पर प्रतिभाग होता है जिसमें गोल्ड मेडल सिल्वर मेडल इस ग्राउंड के बच्चे जीतते हैं, इस वर्ष नेशनल खेलने का मौका मिला है बहुत खुशी की बात है कि गांव के साथ जिले प्रदेश का नाम रौशन होगा। साथ में गांव के सम्मानित लोग भी प्रशंसा करते हुए जीत की अग्रिम बधाई व आशीर्वाद दिए।

नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से जिलाधिकारी ने की विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

निर्धारित लक्ष्य समय सीमा के अन्दर शत-प्रतिशत निर्माण कार्य कराये जाये पूर्ण-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में नवीन व्यवस्था अन्तर्गत सी0एम0 डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिन विभागों को शासन द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है, वह उसका शत-प्रतिशत निर्धारित समय अवधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें, इस दौरान पी0एम0 सूर्य घर योजना की समीक्षा की समीक्षा के दौरान उन्होने कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना के अन्तर्गत बैंक के माध्यम से सब्सिडी आदि की सुविधा बैंक के माध्यम से सुनिश्चित करायी जाये उन्होने एल0डी0एम0 को निर्देशित करते हुए कहा कि पी0एम0 सूर्य घर योजना को अन्तर्गत जो भी लक्ष्य निर्धारित किये गये है उसका सत प्रतिशत निस्तारण बैंको के माध्यम से सुनिश्चित किया जाये। इसी प्रकार उन्होने प्रधानमंत्री आवास मुख्यमंत्री आवास के निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा की समीक्षा के दौरान उन्होने परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 को निर्देशित करते हुए कहा कि जो आवास अभी तक अपूर्ण की स्थिति में है उसे शीघ्र पूर्ण किये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, इसी प्रकार से उन्होने जनपद में सैम-मैम बच्चों के चिन्हिकरण व उनके स्वास्थ्य परीक्षण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जाने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिये। इसी प्रकार से उन्होने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी लोन योजना के भी प्रगति की समीक्षा की और उपायुक्त उद्योग एवं एल0डी0ए0म0 को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों के पत्रावलियों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाये, इस दौरान उन्होंने आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की, समीक्षा के दौरान उन्होंने सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आई0जी0आर0एस0 पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय व गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सुनिश्चित कराया जाये, उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों द्वारा शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण तरीके से नहीं किया जा रहा है और असंतुष्ट फिडबैक प्राप्त हो रहा है, ऐसे अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए करते हुए कहा कि विकास कार्यों, लाभार्थीपरक व जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे कार्यों के प्रगति में तेजी लायी जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए विभागीय कार्यवाही हेतु उच्चाधिकारियों को पत्राचार करना सुनिश्चित किया जायेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, जिला विकास अधिकारी श्री हेमन्त कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री संतपाल वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री सुधांशु शेखर शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री जय राम सिंह, डी0सी0 मनरेगा श्री रवीन्द्र वीर सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 श्री एस0के0 राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सभी को एकजुट रहने की जरूरत- विकास जैन

देश के स्वाभिमान एवं अखंडता के लिए बिषम परिस्थिति में भी व्यापारी सरकार के साथ खड़ा रहेगा - विकास जैन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। देश की संप्रभुता, अखंडता और सम्मान से किसी भी कीमत पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। राष्ट्र की सुरक्षा और स्वाभिमान के सामने धन-दौलत या व्यापार का स्थान हमेशा गौण रहता है। देश की खातिर अगर सरकार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें और भी बढ़ानी पड़ें, तो देश का व्यापारी समाज सरकार के हर फैसले के साथ मजबूती से खड़ा है। यह बात उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने मीडिया को जारी एक बयान में कही। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने दो टूक शब्दों में कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और राष्ट्र की सुरक्षा

को देखते हुए आज देश को एकजुट रहने की आवश्यकता है। उन्होंने व्यापारी समाज को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए एक नया नारा दिया और कहा, 'हम व्यापारी केवल व्यवसाय नहीं करते, बल्कि हम देश के 'वित्त सैनिक' हैं। जब-जब मातृभूमि पर कोई संकट आएगा या देश को हमारी जरूरत होगी, व्यापारी समाज अपनी सुख-सुविधाओं को छोड़कर सबसे अग्रिम पंक्ति में खड़ा मिलेगा। वक्तव्य में आगे कहा गया कि ईंधन की बढ़ती कीमतें निश्चित रूप से व्यापार जगत को प्रभावित करती हैं, लेकिन जब बात देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अस्मिता की हो, तो उत्तर प्रदेश का हर एक व्यापारी अपनी व्यक्तिगत परेशानियों को भूलकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देगा। विकास जैन ने प्रदेश भर के व्यापारियों का आह्वान किया कि वे इस चुनौतीपूर्ण समय में देश को आर्थिक और नैतिक रूप से सुरक्षित रखने के लिए हर संभव योगदान दें और कम से कम संसाधनों में भी देश की तरक्की के पहिये को थमने न दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल राष्ट्र प्रथम की नीति पर चलता है और देश के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए व्यापारी समाज हर बड़े से बड़ा कदम उठाने और त्याग करने के लिए पूरी तरह तत्पर है।

हरहुआ में बिजली केबल चोरी, महदेपुर व पुआरी कला की बिजली आपूर्ति प्रभावित, एक माह में तीन बार केबल हुई चोरी

पुलिस फेल, चोर पास- ग्रामीणों में आक्रोश, 'कमिश्नर साहब, एक नजर इधर भी'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। हरहुआ के बड़ागांव

थाना क्षेत्र में एक बार फिर बिजली केबल चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। रविवार देर रात चोरों ने सातों महुआ फीडर से जुड़े महदेपुर और पुआरी कला गांवों में चलती लाइन से बिजली विभाग की एबीसी (एबीसी) केबल काटकर चोरी कर ली। घटना के बाद दोनों गांवों की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। बिजली विभाग के अनुसार 17 मई की रात चोरों ने महदेपुर और पुआरी कला क्षेत्र से 95 एमएम स्क्वायर की एबीसी केबल चोरी कर ली। सोमवार सुबह ग्रामीणों ने पोल से केबल गायब देखी, जिसके बाद विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने जांच के बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी। बिजली आपूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांवों में पेयजल संकट गहरा गया है, क्योंकि बिजली न होने से पानी की मोटरें बंद पड़ी हैं। रात में अंधेरा छाए रहने से ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल है। अवर अभियंता दीपू कुमार ने बताया कि लगभग ढाई सौ मीटर केबल चोरी हुई है, जिसकी कीमत लाखों रुपये है। उन्होंने कहा कि केबल कटने से पूरा गांव अंधेरे में डूब गया है। यह क्षेत्र में केबल चोरी की पहली घटना नहीं है। इससे पहले 3 मई को महदेपुर में 50 एमएम स्क्वायर केबल चोरी हुई थी, जबकि 11 मई को तिवारीपुर गांव में केबल काटने का प्रयास किया गया था। ग्रामीणों के शोर मचाने पर चोर वहां से भाग निकले थे। वहीं एक सप्ताह पहले गढ़वा गांव में भी चोरी की घटना हुई थी, जिसका अब तक खुलासा नहीं हो सका है। आरोप है कि पुलिस की निष्क्रियता के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं और लगातार घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। लोगों ने कहा कि 'चोर चोरी में मस्त हैं और पुलिस सुस्त बनी हुई है।' उपखंड अधिकारी श्रीपति तिवारी तथा अवर अभियंता दीपू कुमार ने बताया कि पहले भी कई बार पुलिस से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारियों ने बड़ागांव पुलिस से अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई तथा रात में नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन और वाराणसी कमिश्नर से क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर तत्काल ध्यान देने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की अपील की है।

ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगलवार पर हनुमान जी का सजा दिव्य दरबार,पुजारी राजकुमार पांडे के संयोजन में हुआ संकट मोचन हनुमान जी का भव्य श्रृंगार

मंगला आरती में रहीं भक्तों की भारी भीड़,भक्तों में किया गया प्रसाद का वितरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर के मध्य स्थित श्री राम जानकी संकट मोचन मंदिर में ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार को

मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे के कुशल संयोजन में संकट मोचन हनुमान जी महाराज का अत्यंत आकर्षक और अलौकिक श्रृंगार कर मंगला आरती की गई। वहीं बजरंगबली के इस भव्य रूप के दर्शन पाने के लिए भोर से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के आने का तांता लगा रहा, जिससे पूरा वातावरण 'जय श्री राम' और 'जय बजरंगबली' के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। इसी क्रम में मंदिर परिसर में भक्तों द्वारा अत्यंत भावपूर्ण तरीके से सुंदरकांड का सस्वर पाठ भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसके पश्चात देर शाम ढलते ही संकट मोचन हनुमान जी की भव्य सांध्य कालीन आरती हुई। महाआरती के दौरान भक्तों की भारी भीड़ मौजूद रही, जो झांझ-मंजीरों और शंखध्वनि के बीच पवनपुत्र की भक्ति में सराबोर नजर आई। आरती संपन्न होने के बाद उपस्थित सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़े मंगलवार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पंडित राजकुमार पांडे ने बताया कि सनातन धर्म में ज्येष्ठ महीने में पड़ने वाले मंगलवार का एक अत्यंत विशिष्ट और पौराणिक महत्व है। उन्होंने कहा कि मान्यताओं के अनुसार इसी महीने में भगवान राम से हनुमान जी की पहली मुलाकात हुई थी, इसलिए इसे 'बड़ा मंगलवार' या 'बुढ़वा मंगल' भी कहा जाता है। इस पवित्र दिन पर जो भी श्रद्धालु पूरी निष्ठा, नियम और सच्चे मन से हनुमान जी की विधिवत पूजा-अर्चना, व्रत और सुंदरकांड का पाठ करते हैं, बजरंगबली उनके जीवन के सभी संकटों को हर लेते हैं और उनकी हर मनोकामना अवश्य पूर्ण करते हैं। इस अवसर पर शिवा पाण्डेय, शिवम, केतन, हिमांशु, दादे, अभिषेक, राहुल, शिवम,आत्माराम, अमरेश गुप्ता, देवानंद, अजय, अरुण, कन्हैया, मनीष, गोलू, राजा, मोनू, अभिषेक, राजीव, प्रखर, अमन, अर्पित गुप्ता और राहुल ओझा सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विवेक प्रताप सिंह बने ऑल इंडिया कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार को उत्तर

प्रदेश-ऑल इंडिया कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने श्री विवेक प्रताप सिंह को संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री सिंह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के निवासी हैं। एसोसिएशन की प्रबंध समिति द्वारा सर्वसम्मति से लिए गए इस निर्णय का संगठन के सदस्यों, ठेकेदार समुदाय तथा क्षेत्रवासियों ने हार्दिक स्वागत किया है। संगठन के सर्वोच्च पद पर श्री सिंह की नियुक्ति को ठेकेदार समुदाय के लिए एक नई दिशा और मजबूत नेतृत्व के रूप में देखा जा रहा है । राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करते हुए श्री विवेक प्रताप सिंह ने कहा कि उनका प्रमुख लक्ष्य देशभर के ठेकेदारों को एक सशक्त एवं एकजुट मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन ठेकेदारों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा निर्माण कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं ईमानदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री सिंह ने कहा कि उनके नेतृत्व में एसोसिएशन ठेकेदारों के अधिकारों के लिए शासन-प्रशासन के समक्ष मजबूती से आवाज़ उठाएगी तथा सदस्यों के कौशल विकास एवं कल्याण हेतु निरंतर कार्य करेगी। उन्होंने सभी राज्यों के ठेकेदारों से संगठन के साथ जुड़ने और इसे और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। श्री विवेक प्रताप सिंह ने इस दायित्व के लिए एसोसिएशन की समस्त प्रबंध समिति एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि वे पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का प्रयास करेंगे। एसोसिएशन की ओर से श्री विवेक प्रताप सिंह को उनके नवीन दायित्व के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी गई हैं।

राष्ट्रहित में स्वर्ण आयात संतुलन को लेकर प्रशासन व सर्राफा व्यापारियों की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

विदेशी मुद्रा बचत एवं आर्थिक स्थिरता को मजबूत बनाने हेतु व्यापारियों ने दिया पूर्ण सहयोग का आश्वासन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। देशहित में माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान तथा माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुपालन में आज कलेक्ट्रेट सभागार, में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा की उपस्थिति में सर्राफा व्यापारियों, बुलियन कारोबारियों, राज्य कर विभाग के अधिकारियों एवं सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव तथा सोने के आयात में संतुलन बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि भारत विश्व के प्रमुख स्वर्ण आयातक देशों में शामिल है तथा प्रतिवर्ष बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर व्यय होती है। वर्तमान समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध, वैश्विक अस्थिरता एवं डॉलर की बढ़ती मांग के कारण आयात लागत में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए प्रत्येक नागरिक एवं व्यापारी वर्ग की जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। जिलाधिकारी ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में स्वर्ण की कीमतों में लगातार उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका प्रभाव आम जनमानस एवं बाजार व्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि यदि बुलियन अर्थात सोना-चांदी की ईंट एवं बिस्कुट की अनावश्यक खरीद-बिक्री तथा निवेश को सीमित किया जाए तो सोने के आयात में कमी लाकर विदेशी मुद्रा की बचत की जा सकती है तथा देश की आर्थिक मजबूती को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है। बैठक में उपस्थित सर्राफा व्यापारियों एवं एसोसिएशन प्रतिनिधियों ने प्रशासन की अपील का स्वागत करते हुए राष्ट्रहित में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। व्यापारियों ने कहा कि सोनभद्र जनपद में अधिकांश व्यापार स्वर्ण एवं रजत आभूषणों की खरीद-बिक्री पर आधारित है, जहां बड़ी संख्या में उपभोक्ता पुरानी ज्वेलरी के बदले नई ज्वेलरी खरीदते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर बुलियन व्यापार नहीं किया जाता है तथा व्यापारी वर्ग सदैव शासन एवं प्रशासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करता रहा है। व्यापारियों ने यह भी कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों एवं युद्धजनित आर्थिक प्रभावों को देखते हुए वे देशहित को सर्वोपरि मानते हुए शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी अपीलों का पालन करेंगे तथा आम जनमानस को भी अनावश्यक बुलियन निवेश से बचने हेतु जागरूक करेंगे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा व्यापारियों को आश्वस्त किया गया कि प्रशासन द्वारा व्यापारिक गतिविधियों के सुचारु संचालन, सुरक्षा व्यवस्था एवं आवश्यक प्रशासनिक सहयोग को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही सभी व्यापारियों से अपेक्षा की गई कि वे शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक के अंत में राष्ट्रहित, आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सभी व्यापारियों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प व्यक्त किया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के सामान्य होने तक वे माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री जी की अपील के अनुरूप कार्य करते हुए राष्ट्रहित में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

पुष्पेंद्र शुक्ला बोले- 20 मई तक नहीं मानी मांगें तो 21 से 'नो पे, नो वर्क', इमरजेंसी छोड़ सभी सेवाएं ठप

एनएचएम संविदा कर्मियों का सोनभद्र में काला फीता बांधकर सांकेतिक विरोध शुरू, नियमितीकरण और समान वेतन की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मयंक प्रताप सिंह के आह्वान पर जनपद सोनभद्र में एनएचएम संविदा कर्मियों ने आज से अपनी मांगों को लेकर सांकेतिक विरोध शुरू कर दिया है। सभी कर्मी काला फीता बांधकर कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जनपद सोनभद्र के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला ने बताया कि यदि 20 तारीख तक शासन एनएचएम संविदा कर्मियों की मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाता है तो 21 मई 2026 से पूरे प्रदेश में 'नो पे, नो वर्क' के आधार पर कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा। जिला अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि सांकेतिक हड़ताल 20 तारीख तक चलेगी। इसके बाद मांगें न माने जाने पर पूरे जनपद में इमरजेंसी सेवा को छोड़कर सभी स्वास्थ्य सेवाएं बाधित कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। संघ की प्रमुख मांगों में संविदा कर्मियों के मानदेय का समय से भुगतान, नियमितीकरण, समान कार्य समान वेतन और सेवा सुरक्षा आदि शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है, जिसके चलते यह कदम उठाना पड़ा है। एनएचएम संविदा कर्मी कोरोना काल से लेकर अब तक स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन मानदेय में देरी और सेवा सुरक्षा के अभाव के कारण उनमें गहरा असंतोष है। संघ ने स्पष्ट किया है कि सरकार वार्ता के लिए तैयार हो तो समस्या का समाधान संभव है, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

शंकर गिरी बोले- मजबूत बूथ ही भाजपा की जीत का आधार, कार्यकर्ताओं को मिला संगठनात्मक प्रशिक्षण

भाजपा का दो दिवसीय दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण वर्ग शुभारंभ, बूथ प्रबंधन और चुनावी रणनीति पर विशेष फोकस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ शहर स्थित अविनाश होटल में भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से आए जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति देखने को मिली। प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत बनाना, कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा एवं संगठनात्मक कार्यशैली से जोड़ना तथा आगामी चुनावों के लिए तैयार करना रहा। प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री शंकर गिरी मौजूद रहे। उन्होंने 'बूथ प्रबंधन' विषय पर कार्यकर्ताओं को विस्तार से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर तक मजबूत संगठन है। बूथ को चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण इकाई बताते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक मतदाता तक पहुंच बनाने, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की

योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठनात्मक समन्वय बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ ही भाजपा की जीत का आधार है। द्वितीय सत्र में अनिल श्रीवास्तव ने 'भाजपा का इतिहास' विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय जनसंघ से लेकर भाजपा के गठन और विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने तक के संघर्ष एवं विकास की जानकारी दी। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे महान नेताओं के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा राष्ट्रवाद, सेवा और सुशासन की विचारधारा पर कार्य करने वाला संगठन है। नागेंद्र रघुवंशी ने 'कार्यपद्धति' विषय पर संगठन की कार्यशैली, अनुशासन, टीम भावना और कार्यकर्ता आधारित संरचना पर चर्चा की। अशोक चौरसिया ने 'कार्य विस्तार एवं चुनाव प्रबंधन' विषय पर संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान, बूथ सशक्तिकरण एवं चुनावी रणनीति पर मार्गदर्शन दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग संगठन को नई दिशा और ऊर्जा देते हैं। कार्यक्रम में वर्ग प्रभारी संजय पटेल, राज्य मंत्री संजीव गोंड, सदर विधायक भूपेश चौबे, पूर्व सांसद राम सकल, नरेंद्र सिंह कुशवाहा, एससी/एसटी आयोग उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, और जिला अध्यक्ष अशोक मिश्रा,धर्मवीर तिवारी, अजीत चौबे सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आरपी सिंह बोले- खेल अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त मंच

हिंडालको रेनुसागर में बैंड-बाजे और आतिशबाजी के बीच आरपीएल 2026 क्रिकेट लीग का भव्य शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अनपरा/सोनभद्र। हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुपावर डिवीजन रेनुसागर के तत्वावधान में आदित्य बिड़ला इंटरमीडिएट कॉलेज के खेल मैदान में भव्य बैंडबाजे एवं आकर्षक आतिशबाजी एवं बच्चों के नृत्य के साथ आरपीएल 2026 क्रिकेट लीग का शानदार आगाज हुआ। उद्घाटन अवसर पर खेल प्रेमियों एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आरपीएल 2026 क्रिकेट लीग में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता को आईपीएल की तर्ज पर आयोजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक टीम के खिलाड़ियों का चयन ऑक्शन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। ऑक्शन के जरिए टीम गठन होने से खिलाड़ियों एवं दर्शकों में प्रतियोगिता को लेकर खासा उत्साह बना हुआ है। टूर्नामेंट के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड

आरपी सिंह ने मशाल प्रज्ज्वलित की और खिलाड़ियों ने क्रिकेट मैदान पर प्रज्ज्वलित मशाल के साथ भव्य मार्च निकालने के पश्चात राष्ट्रगान हुआ। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आरपी सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने आरपीएल 2026 क्रिकेट लीग के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि हिंडालको रेनुसागर द्वारा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु लगातार सकारात्मक पहल की जा रही है। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में खेल भावना, अनुशासन एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने का कार्य करती हैं।इससे पूर्व हेड एचआर आशीष पांडेय ने आरपीएल 2026 लीग क्रिकेट मैच पर प्रकाश डालते हुए खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। तत्पश्चात संचालन विभाग के प्रभारी मनीष जैन ने प्रतिभाग कर रही टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं में ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं आपसी भाईचारे को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उद्घाटन मैच आरपी सिंह एकादश एवं मनीष जैन एकादश टीम के बीच मैत्रीपूर्ण 8 ओवर का क्रिकेट लीग मैच खेला गया, जिसमें आरपी सिंह एकादश ने 7 विकेट से मैच को जीत लिया। कार्यक्रम का संचालन राजेश राय एवं सीमा तुर ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर संजय श्रीमाली, कुमार हर्षवर्धन, दीपक पांडेय, ललित खुराना, संदीप यादवले, निखिल जैन, मृदुल भारद्वाज, बृजेश कुमार बर्मा, आशुतोष सिंह, अभिनीत सिंह, सदानन्द पांडेय, राजीव मिश्रा सहित भारी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

भारत-श्रीलंका के बीच अगस्त में खेले जाएंगे 2 टेस्ट मैच,15-27 अगस्त के बीच मैचों के लिए विंडो तैयार-टी-20 सीरीज पर संशय बरकरार

नयी दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच अगस्त में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। क्रिकबज के मुताबिक, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) के इस सीरीज के लिए 15 से 27 अगस्त के बीच की विंडो तय की है। श्रीलंका क्रिकेट और बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, इस शेड्यूल की जानकारी भारतीय टीम समेत सभी संबंधित पक्षों को दे दी गई है। यह टेस्ट सीरीज लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के बाद खेली जाएगी, जिसका फाइनल 9 अगस्त को होना है। वहीं, दौरे में प्रस्तावित 3 मैचों की टी-20 सीरीज को लेकर अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। श्रीलंका क्रिकेट में अंतरिम कमेटी का गठन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस समय आईसीसी बोर्ड प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में श्रीलंका के दौरे पर हैं। वे वहां श्रीलंका क्रिकेट की मौजूदा स्थिति का जायजा लेने गए हैं, जिसे हाल ही में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की सरकार ने भंग कर दिया गया था। सरकार ने इसके बाद एक अंतरिम संस्था का गठन किया है, जिसे 'श्रीलंका क्रिकेट ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी' नाम दिया गया है। टी-20 मैचों के आयोजन में शेड्यूल की चुनौती श्रीलंका दौरे पर सैकिया की मुलाकात के दौरान ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सदस्य टी-20 सीरीज का मुद्दा उनके सामने उठा सकते हैं। इन 3 टी-20 मैचों को पिछले साल नवंबर में आए चक्रवात 'दित्वह' के पीड़ितों के लिए फंड जुटाने के उद्देश्य से प्रस्तावित किया गया था। लेकिन भारतीय टीम के लिए सितंबर का महीना बेहद व्यस्त होने के कारण इस सीरीज के लिए विंडो निकालना एक बड़ी चुनौती होगी। सितंबर में बांग्लादेश दौरे का है प्रस्ताव भारतीय टीम के लिए सितंबर में बांग्लादेश में 6 मैचों की व्हाइट-बॉल सीरीज की योजना बनाई गई है, जिसमें 3 वनडे और 3 टी-20 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। अगर यह बांग्लादेश दौरा होता है, तो शेड्यूल बनाने वालों के लिए चीजें काफी मुश्किल हो सकती हैं। सैकिया ने हाल ही में मीडिया से बातचीत में बांग्लादेश सीरीज के होने या न होने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि ध्यान वर्तमान में तय कार्यक्रमों पर होना चाहिए। बांग्लादेश का यह दौरा पिछले साल स्थगित हुई सीरीज का हिस्सा है, जिसे दोनों देशों के बीच तनाव के कारण टाल दिया गया था। अब भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंधों में जमी बर्फ पिघलती हुई दिख रही है, लेकिन यह सीरीज आखिरकार होगी या नहीं, यह अभी भी वेक्वल अनुमान का विषय है। भारतीय टीम का आगामी इंटरनेशनल शेड्यूल भारतीय टीम 6 जून से मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच के साथ अपने इंटरनेशनल सीजन की शुरुआत करेगी, जिसके बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसवेक्व बाद भारतीय टीम श्रीलंका दौरे से पहले आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है।

गर्मियों के लिए बाइक राइडिंग सेफ्टी टिप्स,तेज धूप में चलाते समय बरतें 13 जरूरी सावधानियां,साथ रखें कुछ सामान

नयी दिल्ली। गर्मी की तपती दोपहर, सिर पर चुभती धूप और सामने से आती लपट जैसी गर्म हवा। ऐसे में बाइक चलाना सिर्फ सफर नहीं, एक चुनौती बन जाता है। कुछ ही मिनटों में शरीर थकने लगता है, ध्यान भटकता है और हल्की-सी चूक भी बड़े हादसे की वजह बन सकती है। दरअसल, गर्मियों में बाइक राइडिंग सिर्फ रोड सेफ्टी ही नहीं, बल्कि आपकी सेहत का भी इम्तिहान लेती है। डिहाइड्रेशन, चक्कर और हीट स्ट्रोक जैसे खतरे हर पल साथ चलते हैं। ऐसे में जरूरी है कि रफ्तार के साथ समझदारी भी बरती जाए। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज बात करेंगे समर बाइक सेफ्टी की। साथ ही जानेंगे-गर्मी में बाइक चलाते समय किन बातों का ध्यान रखें? अगर बाइक चलाते समय असहजता महसूस हो तो क्या करें? विषय को समझेंगे डॉ. नरेंद्र कुमार सिंगला, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गर्मियों में बाइक चलाते समय किन लोगों को ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- गर्मियों में बाइक चलाना हर किसी के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन कुछ लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। जैसेकि- जो हार्ट पेशेंट हैं। जिन्हें हाई बीपी/लो बीपी की समस्या है। जो डायबिटिक हैं। जिन्हें ज्यादा पसीना होता है। जो रेगुलर दवाइयां लेते हैं। जो शारीरिक रूप से कमजोर हैं। बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, सवाल- अगर बाइक चलाते समय असहजता महसूस हो तो क्या करें? जवाब- अगर चक्कर, कमजोरी या ज्यादा थकान महसूस हो तो इसे नजरअंदाज न करें। यह ओवरहीट होने का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत रुककर शरीर को आराम देना और खुद को कूल डाउन करना जरूरी है। इसके लिए कुछ काम करें-तुरंत सुरक्षित जगह पर बाइक रोकें। हेलमेट उतार दें, सिर पर हवा लगने दें। छांव या ठंडी जगह पर बैठकर आराम करें। कुछ देर बाद पानी या ओआरएस धीरे-धीरे पिएं। चेहरे और सिर पर पानी डालकर शरीर ठंडा करें। जरूरत हो तो किसी व्यक्ति से मदद मांगें या मेडिकल हेल्प लें। हालत ठीक होने तक दोबारा राइड शुरू न करें। सवाल- गर्मियों में बाइक में अचानक आग लगने की घटनाएं क्यों होती हैं?

जवाब- हाई टेम्परेचर के कारण बाइक के इंजन, वायरिंग और फ्यूल सिस्टम ज्यादा गर्म हो जाते हैं। अगर फ्यूल लीकेज, खराब वायरिंग, ओवरहीटिंग या मेंटेनेंस की कमी हो, तो चिंगारी से आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए लंबी राइड में बीच-बीच में ब्रेक लें। सवाल- गर्मी में टायर फटने का खतरा क्यों बढ़ जाता है? जवाब- गर्मी में सड़क और टायर दोनों का तापमान बढ़ जाता है। इससे टायर के अंदर का प्रेशर बढ़ता है और फटने का खतरा बढ़ जाता है। इसके कई कारण हो सकते हैं- तेज गर्मी से टायर का तापमान बढ़ना। हवा ज्यादा भरने से प्रेशर बढ़ जाना। गर्म सड़क पर लगातार लंबी राइड करना। घिसे या पुराने टायर का इस्तेमाल करना। टायर में पहले से कट या डैमेज होना। सवाल- गर्मियों में बाइक के कौन से पार्ट्स चेक कराना जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ओवरहीटिंग, ब्रेक फेल या अचानक खराबी का खतरा बढ़ता है। इसलिए सर्विसिंग में इन पार्ट्स की जांच कराएं। टायर और टायर प्रेशर-क्यों जरूरी? गर्मी में हवा का वॉल्यूम बढ़ने (फैलने) से प्रेशर बढ़ता है। ओवरप्रेशर से टायर फटने का खतरा होता है। क्या करें? एयर प्रेशर मेंटेन रखें। घिसे या पुराने टायर बदलें। इंजन ऑयल-क्यों जरूरी? गर्मी में इंजन जल्दी ओवरहीट होता है। खराब ऑयल से इंजन डैमेज हो सकता है। क्या करें? ऑयल लेवल और क्वालिटी चेक करें। जरूरत हो तो ऑयल बदलें। कूलिंग सिस्टम-क्यों जरूरी? इंजन को ओवरहीट होने से बचाता है। कूलिंग खराब हो तो परफॉर्मेंस गिरती है।क्या करें? कूलेंट लेवल चेक करें। रेडिएटर साफ रखें। ब्रेक्स-क्यों जरूरी? गर्मी में ब्रेक पैड जल्दी घिसते हैं। ब्रेकिंग कमजोर हो सकती है। क्या करें? ब्रेक पैड और ऑयल चेक करें। आवाज या ढीलापन नजरअंदाज न करें। बैटरी-क्यों जरूरी? हाई टेम्परेचर से बैटरी लाइफ घटती है। सेल्फ-स्टार्ट में समस्या हो सकती है। क्या करें? टर्मिनल और चार्जिंग चेक करें। जरूरत हो तो सर्विस कराएं। चेन और स्प्रॉकेट- क्यों जरूरी? गर्मी और धूल से चेन सूखती है। राइडिंग स्पीडनेस प्रभावित होती है। क्या करें? चेन क्लीन और लुब्रिकेट करें। एयर फिल्टर- क्यों जरूरी? धूल से जल्दी गंदा हो जाता है। इंजन पर अतिरिक्त लोड पड़ता है। क्या करें? समय-समय पर साफ करें। जरूरत हो तो बदलें। स्पार्क प्लग-क्यों जरूरी? इंजन स्टार्ट और परफॉर्मेंस से जुड़ा होता है। खराब प्लग से मिसफायरिंग होती है। क्या करें? प्लग की कंडीशन चेक करें। जरूरत हो तो बदलें। क्लच और एक्सिलरेटर केबल क्यों जरूरी? गर्मी में केबल टाइट या जाम हो सकती है।कंट्रोल प्रभावित होता है। क्या करें? स्मूद मूवमेंट चेक करें। जरूरत हो तो ऑयलिंग करें। गर्मियों में बाइक चलाने के लिए सुबह और शाम का समय सबसे सुरक्षित माना जाता है। इस समय तापमान थोड़ा कम होता है और धूप का असर भी कम रहता है। दोपहर (12 से 3 बजे) के समय तेज गर्मी और लू के कारण बाइक चलाना रिस्की हो सकता है। इसलिए बहुत जरूरी न हो तो दोपहर में न चलाएं।

फुटबॉल वर्ल्डकप

ब्राजील और क्रोएशिया की टीमें घोषित,जूनियर नेमार की 3 साल बाद वापसी-स्पेन के लोपेज चोट के कारण बाहर

नयी दिल्ली। फुटबॉल वर्ल्ड कप के लिए ब्राजील और क्रोएशिया की टीमों का ऐलान हो गया है। 5 बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील में 3 साल बाद जूनियर नेमार की वापसी हुई है। क्रोएशिया ने 40 साल के लुका मोड्रिच को कप्तान बनाया है। वे अपना 5वां वर्ल्ड कप खेलेंगे। वहीं, स्पेन के युवा मिडफील्डर फर्मिन लोपेज दाएं पैर में फ्रैक्चर के कारण वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। जबकि, लैमिन यामल पहला मैच नहीं खेलेंगे। 48 टीमें के इस टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून से होगी। जोकि अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की मेजबानी में 16 शहरों में खेला जाएगा। हाल ही में फ्रांस और बेल्जियम ने भी अपनी-अपनी टीमों का ऐलान किया था। ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को रियो डी जेनेरियो में टीम का ऐलान किया। उन्होंने कहा- 'हमने पूरे साल नेमार का बारीकी से विश्लेषण किया। पिछले कुछ समय में उन्होंने लगातार फुटबॉल खेला है। उनकी फिटनेस इस बड़े मंच के लिए बिल्कुल दुरुस्त है।' 34 साल के नेमार चोट के कारण 2023 के बाद से ब्राजील के लिए एक भी मैच नहीं खेल पाए। वे करियर का चौथा वर्ल्ड कप (2014, 2018, 2022, 2026) खेलेंगे। ब्राजील को ग्रुप-सी में रखा गया है। उसका पहला मैच 13 जून को मोरक्को से होगा। फिर हैती और स्कॉटलैंड से मुकाबले होंगे। गोलकीपर एलिसन बेकर चोट से ठीक होकर लौटे हैं। रियल मैड्रिड के विनीसियस जूनियर, बार्सिलोना के राफिन्हा और 19 साल के एंड्रिक

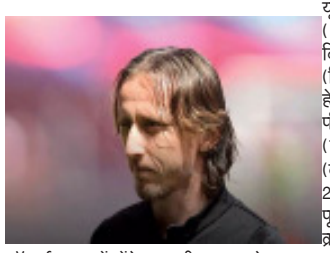

फॉरवर्ड लाइन में होंगे। इस सीजन प्रीमियर लीग में चेल्सी के लिए 15 गोल और 5 असिस्ट करने वाले टॉप स्कोरर जोआओ पेड्रो को टीम में जगह नहीं मिली है। ब्राजील का पूरा वर्ल्ड कप स्क्वॉडः-गोलकीपर्सः एलिसन बेकर (लिवरपूल), एडरसन (फेनरबाश), वेवरटन (ग्रेमियो)। डिफेंडर्सः एलेक्स सैंड्रो, डैनिलो, लियो परेरा (फ्लेमेंगो), ब्रेमर (जुवेंटस), इबानेज़ (अल-अहली), वेस्ले (रोमा), मार्किन्होस (पेरिस सेंट-जर्मेन), गेब्रियल (आर्सेनल), डगलस सैंटोस (जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग)। मिडफील्डर्सः ब्रूनो गुइमारेस (न्यूकैसल), कैसिमिरो (मैनचेस्टर यूनाइटेड), डैनिलो सैंटोस (बोटाफोगो), फैबिन्हो (अल-इत्तिहाद), लुकास पावेरा (फ्लेमेंगो)। फॉरवर्ड्सः एंड्रिक (लायन), गेब्रियल मार्टिनेली (आर्सेनल), इगोर थियागो (ब्रेंटफोर्ड), मैथ्यूज कुन्हा (मैनचेस्टर यूनाइटेड), राफिन्या (बार्सिलोना), विनिसियस जूनियर (रियल मैड्रिड), लुइज़ हेनरिक (जेनिट सेंट पीटर्सबर्ग), नेमार (सांतोस), रेयान (बॉर्नमाउथ)। मोड्रिच 200 इंटरनेशनल मैच पूरे कर सकते हैं- क्रोएशिया के मुख्य कोच ज्लाटको डालिच ने 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। इसमें 40 साल के दिग्गज लुका मोड्रिच को चुना गया। वे करियर का 5वां वर्ल्ड कप खेलेंगे। वे पिछले महीने गाल की हड्डी टूटने की चोट का शिकार हो गए थे। डालिच ने उम्मीद जताई है कि वे 17 जून को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वर्ल्ड कप मैच तक फिट हो जाएंगे। मोड्रिच 200 इंटरनेशनल मैच पूरे कर सकते हैं। टीम में स्टार फॉरवर्ड इवान पेरिसिच भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले तीनों वर्ल्ड कप में क्रोएशिया के लिए गोल दागे हैं। क्रोएशिया की टीम 2018 वर्ल्ड कप की उपविजेता रही थी, जबकि 2022 वर्ल्ड कप में उसने तीसरा स्थान हासिल किया था। क्रोएशिया को ग्रुप-एल में रखा गया है। टीम 17 जून को इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। इसके बाद पनामा और घना से मुकाबले होंगे। क्रोएशिया का पूरा वर्ल्ड कप स्क्वॉडः-गोलकीपर्सः डोमिनिक लिवाकोविच, डोमिनिक कोटार्स्की, इवोर पांडुर। डिफेंडर्सः जोस्को ग्वारदियोल, दुये सालेटा-सार, जोसिप सुतालो, जोसिप स्टैनिसिच, मारिन पोंग्रासिच, मार्टिन एर्लिक, लुका वुस्कोविच। मिडफील्डर्सः लुका मोड्रिच, मातेयो कोवाचिच, मारियो पासालिच, निकोला व्लासिच, लुका सुसिच, मार्टिन बटुरिना, क्रिस्टियन जाकिच, पेटार सुसिच, निकोला मोरो, टोनी फ्रुक। फॉरवर्ड्सः इवान पेरिसिच, आंद्रेज क्रामारिच, एंटे बुदिमिर, मार्को पासालिच, पेटार मूसा, इगोर माटानोविच। स्टैंड-बाय खिलाड़ीः-लोवरो मायेर, फ्रैंजो इवानोविच, डियोन ड्रेना बेलजो, इवान स्मोलसिच, कार्लो लेटिका, एड्रियन सेगेसिच, लुका स्टोज्कोविच। ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट लोपेज बाहर-लैमिन यामल और फर्मिन लोपेज की चोट ने स्पेन की चिंता बढ़ा दी है। यामल चोट के कारण केप वर्डे 15 जून को होने वाले पहले मैच से बाहर हो गए हैं। जबकि 23 साल के मिडफील्डर लोपेज का वर्ल्ड कप खेलने का सपना टूट गया है।

गर्मियों में बढ़ते आई एलर्जी के मामले,ये 9 संकेत दिखें तो न करें इग्नोर, एक्सपर्ट से समझें जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। गर्मियों में तेज धूप और गर्म हवा आंखों को प्रभावित करती है। इससे आंखों में जलन और रेडनेस की समस्या हो सकती है। आमतौर पर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये किसी बड़ी परेशानी का संकेत भी हो सकता है। अल्ट्रावायलेट एक्सपोजर, डिहाइड्रेशन और धूल-मिट्टी आंखों को प्रभावित करते हैं। इससे आई-इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए गर्मियों में आई एलर्जी के केस बढ़ जाते हैं। आज 'जरूरत की खबर' में समझेंगे कि गर्मी का आंखों पर क्या असर पड़ता है। साथ ही जानेंगे कि-किन लोगों को आई-इन्फेक्शन का रिस्क ज्यादा होता है? आई इन्फेक्शन से बचने के आसान टिप्स क्या हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. श्रेया गुप्ता, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर और तेज धूप का आंखों पर क्या असर पड़ता है? जवाब- गर्मियों में ये तीन चीजें होती हैं- धूप तेज होती है, तापमान बहुत ज्यादा होता है। अल्ट्रावायलेट किरणों का असर बढ़ जाता है। वातावरण में नमी, धूल-मिट्?टी और प्रदूषण बढ़ जाते हैं। ये तीनों फैक्टर आंखों पर ये प्रभाव डालते हैं- तेज धूप में अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों की बाहरी परत (कॉर्निया) और लेंस को नुकसान पहुंचा सकती हैं। लंबे समय में मोतियाबिंद का खतरा बढ़ सकता है। गर्मी और लू से आंखों की नमी जल्दी कम होती है, जिससे ड्राइनेस, जलन और रेडनेस बढ़ती है। तेज रोशनी में आंखें खोलना मुश्किल होता है और सिर या आंखों में दर्द हो सकता है। लंबे समय तक धूप में रहने से विजन कुछ समय के लिए धुंधला हो सकता है। गर्मियों में धूल, पसीना और प्रदूषण बढ़ता है, जिससे आंखों में एलर्जी, खुजली और इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। गर्मियों में तापमान बढ़ने से आंखों की नमी जल्दी कम हो जाती है, जिससे ड्राईनेस बढ़ती है। ड्राई आई सिंड्रोम, आई एलर्जी, आई स्ट्रेन (थकान) आंखों में जलन, दर्द, आंखों में खुजली, आंखों से पानी आना, आंखों में धुंधलापन, केराटायटिस (कॉर्निया में सूजन) कंजंक्टवाइटिस, फोटोफोबिया, मोतियाबिंद। सवाल- आंखों के कौन-से लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए? क्या गर्मियों में ये ज्यादा गंभीर हो सकते हैं? जवाब- आंखों में लगातार दर्द या तेज जलन होना सामान्य नहीं है। अचानक धुंधला या कम दिखाई देना किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। गर्मियों में ये गंभीर हो सकते हैं- आंखों की थकान, आंखों में दर्द, जलन या चुभन, रोशनी से परेशानी, रेडनेस चिपचिपा डिस्चार्ज, ज्यादा पानी, धुंधला, आना, दिखना, सूजन, सवाल- आंखों के संक्रमण और एलर्जी के मुख्य रिस्क फैक्टर्स क्या हैं? जवाब- गर्मियों में ज्यादा तापमान और पसीने से आंखों के आसपास बैक्टीरिया व वायरस बढ़ सकते हैं। धूल-मिट्टी और प्रदूषण आंखों की सतह को इरिटेट करके एलर्जिक रिएक्शन बढ़ाते हैं। युवी किरणें आंखों की प्रोटेक्टिव लेयर को कमजोर कर सकती हैं। गंदे हाथों से आंख छूने या तौलिया-रूमाल शेयर करने से संक्रमण फैलता है।स्विमिंग पूल के क्लोरीन या दूषित पानी से आंखों में जलन व इन्फेक्शन हो सकता है।सवाल- डिहाइड्रेशन होने पर आई हेल्थ और विजन कम्फर्ट पर क्या असर पड़ता है? जवाब- शरीर में पानी कम होने से आंखों पर ये प्रभाव पड़ते हैं- इससे आंखों में ड्राईनेस हो सकती है। आंखों का लुब्रिकेशन घटने से असहजता बढ़ती है। पलक झपकाने पर चुभन या किरकिरापन महसूस हो सकता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से फोकस करने में कठिनाई हो सकती है। इससे विजन कम्फर्ट कम हो सकता है। आंखों की सतह पर माइक्रो-डैमेज का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- किन लोगों को समर सीजन में आई प्रॉब्लम्स का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों को रिस्क ज्यादा होता है- जो तेज धूप या गर्म वातावरण में काम करते हैं। जो एयर-कंडीशन या सूखे वातावरण में लंबे समय तक रहते हैं। जो कॉन्टैक्ट लेंस यूज करते हैं। छोटे बच्चे, जो अपनी आंखों की सेफ्टी नहीं रख सकते हैं। बुजुर्ग, जिनकी आंखों में आंसू बनने की क्षमता कम हो गई है। जो एलर्जी-प्रोन हैं और जिनकी आंखें सेंसिटिव हैं। जो ऐसे मेडिकेशन पर हैं, जिससे आंखों की ड्राईनेस बढ़ती है। सवाल- अगर पहले से ड्राई आई, एलर्जी की समस्या है तो गर्मियों में क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- इसके लिए ये सावधानियां बरतना जरूरी है- आंखों को धूल और धूप से बचाने के लिए प्रोटेक्टिव सनग्लासेस पहनें। डॉक्टर द्वारा बताई दवा या आई ड्रॉप लें। आंखों को रगड़ने की आदत से बचें, इससे सूजन बढ़ सकती है। आंखें और चेहरा नियमित रूप से साफ रखें। एलर्जी ट्रिगर्स जैसे पोलन (परागकण) या धुएं से दूर रहें। जरूरत पड़ने पर ठंडी पट्टी से आंखों को आराम दें। सवाल- गर्मियों में आई-हेल्थ के लिए डाइट और हाइड्रेशन कैसा होना चाहिए? जवाब- इसके लिए इन बातों का ध्यान रखें- रोज 2.5-3 लीटर तक पानी या फ्लूइड लेना फायदेमंद है। खीरा, ककड़ी, संतरा, तरबूज जैसे हाई-वॉटर कंटेंट फूड्स लेना फायदेमंद हैं। एंटीऑक्सिडेंट युक्त फल आंखों की सेल्स को नुकसान से बचाते हैं।विटामिन-ए और ल्यूटिन युक्त हरी सब्जियां विजन को सपोर्ट करती हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड आई हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। भोजन में बहुत ज्यादा नमक और शुगर से बचना जरूरी है।

धरती पर प्रधूषण को हमने चरम तक पंहुचा दिए,कहीं लाखो पेड़ काटे कहीं टनों कचरा बहाया

नयी दिल्ली। धरती बचाने के 5 उपाय, जो आपके हाथ में हैं,1. पेड़ों को 'गोद' लें : अपने आसपास के पेड़ों की देखभाल करें और हर साल नए पौधे लगाएं। 2. प्लास्टिक से दूरी बनाएं : इस तरह माइक्रो प्लास्टिक आपकी फूड चेन में जाने से रुकेगा। 3. फूड बैंक की पहल करें : अतिरिक्त भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाएं, अन्न की बर्बादी रोकें। 4. सोलर एनर्जी अपनाएं : फॉसिल फ्यूल की तुलना में सौर ऊर्जा 90फीसदी कम प्रदूषण करती है। 5.लो-फ्लो नल लगाएं : अगर हर परिवार यह अपना ले तो रोज 20 लीटर पानी बचा सकता है। रोज 30 हजार हेक्टेयर वन नष्ट-दुनिया में हर दिन लगभग 25,000 से 30,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो जाता है। यानी रोज लगभग 4.1 करोड़ पेड़ काटे जाते हैं। इससे धरती बंजर हो रही है। इसलिए वातावरण में सीओ2 बढ़ रही है। धरती का औसत तापमान व भीषण बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। हमारे पेट में भी जा रहा है प्लास्टिक-हर दिन लगभग 2,100 ट्रक के बराबर प्लास्टिक समुद्रों में फेंका जाता है। यह समुद्री जीवन को नष्ट कर रहा है। इंसान हर हफ्ते 4.1 माइक्रो ग्राम प्लास्टिक खा रहा है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।? 1 अरब टन खाना बर्बाद हो रहा है-सालाना 1 अरब टन से अधिक भोजन दुनिया बर्बाद कर रही है। हर दिन लगभग 25-30 लाख टन खाना कचरे में जा रहा है। यह धरती की देन का दुरुपयोग है। करोड़ों लोग भूखे सो रहे हैं। इस बर्बादी से बनने वाली 'मीथेन गैस' धरती का तापमान बढ़ा रही है। रोज 10 करोड़ टन कार्बन स्टोरेज-मानवीय गतिविधियों के कारण हर दिन वातावरण में औसतन 10 करोड़ टन से अधिक सीओ2 छोड़ी जाती है। इससे धरती की ओजोन परत नष्ट हो रही है। इसलिए ग्लेशियर पिघल रहे हैं। समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। विनाशकारी हीटवेव (लू) चल रही हैं।रोज 345 अरब लीटर पानी बह रहा है-हर साल दुनिया में 126 अरब क्यूबिक मीटर साफ पानी बर्बाद होता है। यानी हर दिन लगभग 345 अरब लीटर साफ पानी हम बर्बाद कर रहे हैं। दुनिया की 25फीसदी आबादी 'वॉटर स्ट्रेस' से जूझ रही है और कई बड़े शहर 'डे जीरो' की ओर बढ़ रहे हैं।

अमीर बनने के लिए अलग तरह के रास्ते अख़्तियार करने पड़तें हैं

अक्सर हम सोचते हैं कि पैसा बचाना ही अमीरी का रास्ता है, लेकिन हकीकत अलग है। हाल ही में मेरी नजर ब्रिटेन के एक बैंकर टिम टॉबमैन की वेबसाइट 'thecrazyplan.com' पर पड़ी। टिम ने 2024 में इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत की थी। उनका दावा रोमांचक हैः एक नौसिखिया निवेशक को 'शून्य' से 'अरबपति' बनाने का सफर। यहां 1 अरब डॉलर (करीब 9,400 करोड़ रुपए से अधिक) की बात हो रही है, जो सुनने में शायद नामुमकिन लगे। लेकिन इस वेबसाइट की असली खूबसूरती उनके द्वारा दी जाने वाली वित्तीय शिक्षा में छिपी है। टिम कहते हैं कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार वॉरेन बफे (95 साल) की संपत्ति 150 अरब डॉलर (करीब 1.42 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा है। लोग बफे की कामयाबी की चर्चा तो करते हैं, लेकिन उन तीन बुनियादी बातों को भूल जाते हैं जिन्होंने उन्हें 'दिग्गज' बनाया...लंबी उम्रः वे 95 वर्ष के हैं और आज भी सक्रिय हैं। निरंतरताः वे पिछले 80 से अधिक वर्षों से निवेश कर रहे हैं। सादगीः वे अपनी कमाई से बहुत कम खर्च करने और अनुशासन के साथ जीने के लिए जाने जाते हैं। टिम का क्रेजी प्लान यह दिखाता है कि कोई भी व्यक्ति अकल्पनीय संपत्ति बना सकता है। उनकी वेबसाइट दो योजनाओं पर टिकी है थली प्लानः हर महीने 50 पाउंड (करीब 6,400 रुपए) की बचत।एकमुश्त प्लानः एक बार में 10,000 पाउंड (करीब 12.8 लाख रुपए) का निवेश। टिम के कैलकुलेशन के अनुसार, लम्प-सम प्लान एक अरब डॉलर तक पहुंचने में 77 साल और मंथली को 86 साल 8 महीने लगेंगे। इस ब्लॉग में बफे के निवेश सिद्धांतों के कई संदर्भ दिए गए हैं। टिम का कहना है कि बफे ने इस नजरिए से सोचना शुरू किया कि निवेश उनकी परिवार की आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या मायने रख सकता है।

आमतौर पर एक निवेशक परिवार के लिए 30-40 साल का समय लेकर चलता है, लेकिन यदि इसी समय सीमा को बढ़ाकर 80 साल कर दिया जाए, तो हर कोई बफे बन सकता है। इसे ऐसे समझेंःकरीब 13 लाख रुपए की राशि 50 साल में बढ़कर 268 करोड़ रुपए हो सकती है, लेकिन वही राशि 80 साल में 18 हजार करोड़ का विशाल फंड बन जाती है!मैनेजमेंट टिपः याद रखिए बचत से आप अमीर नहीं बन सकते और दौलत रातोरात नहीं बन सकती। ये लंबी यात्रा है। अनुशासित निवेश से न केवल भविष्य सुरक्षित करते हैं, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव भी रखते हैं। (एन. रघुरामन)

परीक्षा-प्रणाली पर भरोसे का डगमगाना एक बड़ी त्रासदी है

3 मई को आयोजित नीट-यूजी 2026 परीक्षा (देशभर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए केंद्रीय परीक्षा) का पेपर लीक होने के बाद उसे रद्द किया जाना लाखों छात्रों और उनके परिवारों के लिए किसी गहरे आघात से कम नहीं है। इन छात्रों और उनके परिवारों ने महीनों, बल्कि वर्षों तक अपनी जिंदगी को इस उम्मीद में थाम रखा था कि यह एक परीक्षा उनके लिए बेहतर भविष्य का दरवाजा खोलेगी। हालांकि नई परीक्षा 21 जून को होना तय की गई है, लेकिन इस कैंसलेशन का असर लगातार गहराता जा रहा है। अब तक कम से कम तीन अभ्यर्थी आत्महत्या कर चुके हैं, जबकि हजारों अन्य मानसिक अवसाद से जूझ रहे हैं। उनके सामने फिर से चिंता, अनिश्चितता और कठोर पढ़ाई का एक और दुष्चक्र खड़ा हो गया है। सरकार ने मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं और अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यह लीक अब अनेक शहरों में फैले घोटाले का रूप लेता दिख रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यह कहते हुए परीक्षा रद्द करने को उचित ठहराया कि सरकार नहीं चाहती योग्य छात्रों को तकलीफें उठानी पड़ें। उन्होंने यह भी कहा कि अगले वर्ष से नीट-यूजी पेन-एंड-पेपर प्रणाली के बजाय कंप्यूटर पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी, और जो छात्र री-एग्जाम में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें परीक्षा-फीस लौटाई जाएगी। लेकिन 3 मई को परीक्षा देने वाले अनुमानित 22.05 लाख छात्रों के लिए परीक्षा-शुल्क इतना मायने नहीं रखता। देश की प्रतिस्पर्धी परीक्षा-व्यवस्था छात्रों और उनके परिवारों से कमरतोड़ कीमत वसूलती है। अभी-अभी किशोरावस्था से बाहर आए लड़के-लड़कियों को कोटा, सीकर, प्रयागराज जैसे शहरों की 'कोचिंग फैक्ट्रियों' में भेज दिया जाता है। वे दोस्तों से दूर हो जाते हैं, उनकी दिनचर्या बिगड़ जाती है और वे शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य-समस्याओं से जूझते हैं। वे सफल होने की उम्मीद में घंटों पढ़ाई में जुटे रहते हैं। यह महीनों, कभी-कभी वर्षों तक चलता रहता है और अभ्यर्थी अपने सपनों की परीक्षा पास करने के लिए खुद को टूटने की कगार तक धकेल देते हैं। विशेषकर टियर-2 और टियर-3 शहरों में रहने वाले मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों को मेडिकल कॉलेज या किसी आईआईटी में भेजने का सपना पालते हैं और उसके लिए किसी भी त्याग को तैयार रहते हैं। वे इन कोचिंग संस्थानों की फीस और बच्चों के रहने-खाने के खर्च के लिए अपनी जीवनभर की बचत दांव पर लगा देते हैं। अकसर वे अपने दूसरे बच्चों की शादियां टाल देते हैं, घर की मरम्मत का काम रोक देते हैं, यहां तक कि अपना इलाज भी टाल देते हैं, इस उम्मीद में कि उनके बच्चे एक दिन योग्य डॉक्टर, इंजीनियर बनेंगे या कोई प्रतिष्ठित नौकरी हासिल करेंगे। एनटीए की स्थापना 2018 में इस उद्देश्य से की गई थी कि सरकारी संस्थानों में इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे प्रमुख पेशेवर पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का संचालन केंद्रीकृत किया जा सके। एनटीए जिन परीक्षाओं का आयोजन करती है, उनमें आईआईटी के लिए जेईई (मेन), नीट-यूजी, सीयूईटी-यूजी, यूजीसी-नेट और सीएसआईआर-नेट जैसी परीक्षाएं शामिल हैं। लेकिन पेपर लीक और परीक्षाओं के रद्द होने से जुड़े विवादों ने उसके रिकॉर्ड को लगातार दागदार किया है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2024 में संसद को दिए आंकड़ों के अनुसार यद्यपि एनटीए ने 240 परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित कीं, लेकिन उसी अवधि तक उसे प्रतिष्ठित पदों और प्रवेशों से जुड़ी कम से कम 16 महत्वपूर्ण परीक्षाएं स्थगित भी करनी पड़ी थीं। 2025 में शिक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने पाया कि 2024-25 की अवधि में एनटीए द्वारा आयोजित 14 प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से कम-से-कम पांच को पेपर लीक और परिणामों के संकलन में त्रुटियों जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। उदाहरण के लिए, जेईई (मेन) 2025 में अंतिम उत्तर-कुंजी में पाई गई गलतियों के कारण 12 प्रश्नों को वापस लेना पड़ा था। सबसे गंभीर बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब नीट-यूजी किसी घोटाले में घिरी हो। 2024 में भी पेपर लीक हुआ था। उस वर्ष मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, जिसने यह तो माना था कि पेपर लीक हुआ था, लेकिन यह कहते हुए परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया कि री-एग्जाम छात्रों पर अत्यधिक बोझ डालेगा। शिक्षा मंत्रालय को इस प्रश्न का उत्तर देना चाहिए कि आखिर पेपर लीक और अन्य समस्याएं लगातार एनटीए का पीछा क्यों कर रही हैं? एनटीए द्वारा आयोजित नहीं की जाने वाली परीक्षाएं- जैसे सीबीएसई और यूपीएससी की परीक्षाएं तो अमूमन इन समस्याओं से अछूती रहती हैं। उस परीक्षा-व्यवस्था की विश्वसनीयता को बड़ा आघात लगा है, जिसे युवाओं को समान अवसर देने वाली पारदर्शी प्रणाली होना चाहिए। लोग कब तक ऐसी एजेंसी पर भरोसा करते रहेंगे, जिसने बार-बार उन्हें निराश किया है? (ये लेखिका के अपने विचार हैं,आरती जेरथ)

आपको मशीनों से प्यार है तो एक एआई-प्रूफ नौकरी आपके इंतजार में है

बचपन से ही उसे अपने खिलौने खोलकर फिर से जोड़ना पसंद था, हालांकि वह इसमें विफल होता था। फिर, स्कूली दिनों में वह पिता की कार से छेड़छाड़ करता और उसे ठीक करने की कोशिश करता। कभी ठीक कर भी देता, लेकिन कभी-कभी उसके पिता को मैकेनिक का भारी बिल चुकाना पड़ता था।

लेकिन पिता को इससे फर्क नहीं पड़ता था। उन्होंने उसे अपनी महंगी कार के साथ खेलने दिया। पेशे से पायलट पिता मानते थे कि मैकेनिकल माइंडसेट वाले लोग ही एआई को मात दे सकते हैं। लड़का बड़ा हुआ और पिता की तरह मशीनें उड़ाने का सपना देखने लगा।

लेकिन उसकी आंखों की रोशनी इस लायक नहीं थी।

अब हाई स्कूल का यह लड़का एक दूसरी नौकरी की ट्रेनिंग ले रहा है, जो उसे छह अंकों की सैलरी वाली एविएशन जॉब दिलवाएगी। पिछले छह वर्षों में इस नौकरी की मांग पायलट से भी ज्यादा है।

दरअसल, उसके पिता जैसे लोग इन विशाल मशीनों को तब तक नहीं उड़ा सकते, जब तक ये लोग उनकी एयरवर्थिनेस को प्रमाणित न कर दें। क्योंकि पायलट जहां विमान उड़ाते हैं, वहीं टेक्नीशियन कानूनी तौर पर उनकी एयरवर्थिनेस के संरक्षक होते हैं। अभी यह 17 साल का लड़का अमेरिका के एक रीजनल एयरपोर्ट पर 10 हजार स्क्वायर फीट के हैंगर (जहां विमानों की मरम्मत होती है) में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस टेक्नीशियन (एएमई) की ट्रेनिंग ले रहा है।यकीन मानिए, ट्रेनिंग पूरी होते ही उसे किसी एयरलाइन में नौकरी मिल जाएगी, जहां उसकी सैलरी छह अंकों से शुरू होगी।

एविएशन इंडस्ट्री मशीनों के ऐसे दीवानों को पाकर खुश है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंडस्ट्री में उन लोगों की कमी हो रही है, जो विमानों की सुरक्षित और समय पर उड़ान को बनाए रखते हैं। 40ड से ज्यादा एविएशन मैकेनिक्स उम्रदराज हो रहे हैं और रिटायरमेंट के करीब हैं। कई तो 60 की उम्र पार कर एक्सटेंशन पर हैं।

अमेरिका जैसे देशों में एविएशन ट्रैफिक बहुत ज्यादा है। अगले साल अकेले नॉर्थ अमेरिका में करीब 7 हजार सर्टिफाइड मैकेनिक्स की कमी का अनुमान है। इसमें 15 हजार नॉन-सर्टिफाइड मेंटेनेंस स्टाफ शामिल नहीं हैं। इस कमी के कारण 2020 के बाद से एएमई की एंट्री लेवल सैलरी में 50ड से ज्यादा का इजाफा हुआ है। यह उन गिनी-चुनी नौकरियों में से है, जहां जॉइनिंग पर 75 हजार डॉलर तक का साइनिंग बोनस दिया जाता है।

सैलरी और ओवरटाइम मिलाकर सालाना पैकेज करीब 1.35 लाख डॉलर तक पहुंचता है। फिर भी एविएशन कंपनियां रिक्त पद नहीं भर पा रही हैं और कई बड़ी एयरलाइंस तो खुद के ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू कर रही हैं। सोच रहे हैं कि उसकी यह यात्रा कैसे शुरू हुई?

यह हाई स्कूल के तुरंत बाद शुरू हो गई थी।

भारत और कई अन्य देशों में इसके लिए न्यूनतम योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स (पीसीएम) के साथ 10ट2 है।

इसके लिए चार साल की डिग्री जरूरी नहीं, बल्कि आपको एक स्पेशलाइज्ड लाइसेंस-आधारित ट्रेनिंग प्रोग्राम करना होता है। यह आम गलतफहमी है कि अच्छी ट्रेनिंग सिर्फ विदेशों में ही उपलब्ध है।

हकीकत यह है कि भारत में इसका मजबूत ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसका नियमन नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) करता है। भारत में कई ऊंचे दर्जे के सरकारी और निजी कॉलेज उपलब्ध हैं। इसके लिए यूरोप में ईएएसए पार्ट-147 सर्टिफाइड स्कूल्स या अमेरिका के एफएए अप्रूव्ड पार्ट-147 स्कूल्स देखे जा सकते हैं। कनाडा और जर्मनी जैसे देश अपनी एडवांस्ड एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सुविधाओं के कारण इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए बड़े हब हैं।

पूरी ट्रेनिंग और पढ़ाई में करीब तीन साल लगते हैं। भारत में मई के दूसरे हफ्ते से जून के दूसरे हफ्ते तक कई सीईटी होते हैं। इनमें कई छात्र कैटेगरी बी लाइसेंस (मैकेनिकल के लिए बी1 या एवियोनिक्स के लिए बी2) हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं। इसके लिए उन्हें डीजीसीए के कई मॉड्यूलर एग्जाम पास करने होते हैं और प्रैक्टिकल घंटे पूरे करने होते हैं।

फंडा यह है कि अगर आपको मशीनों से प्यार है तो कॅरिअर को एएमई की दिशा में ले जाने की कोशिश करें। यह एआई-प्रूफ और ऊंची कमाई वाली नौकरी है।एन. रघुरामन

ईरान में अमेरिका के तमाम कथित लक्ष्य अधूरे रह गए हैं

इजराइल और अमेरिका ईरान के खिलाफ जो जंग लड़ रहे हैं, उसकी शुरुआत उन्होंने बड़े नाटकीय ढंग से की थी। लेकिन आज इस जंग को जीतने का दावा करने वाले- खासकर अमेरिका- जिस तरह गतिरोध वाली हालत में फंसे हैं, वह भी उतना ही नाटकीय है। 'नाटकीयता' का तत्व ईरान के शीर्ष आध्यात्मिक, सैन्य, वैचारिक एवं बौद्धिक नेतृत्व की हत्या में निहित था और गतिरोध का तत्व हार मानने से ईरान के जिद्दी इनकार में निहित है। इन सबसे कुछ सवाल उभरते हैं। हत्याएं क्या आपके दुश्मन के सफाए की गारंटी हो सकती हैं? क्या इससे बेहतर कोई समझदारी वाला तरीका हो सकता है? क्या इजराइल-अमेरिका गठबंधन अपनी खास चाल चलना भूल गया? क्या ऐसे किसी और युद्ध का इतिहास हमें कुछ और सिखाता है? भारत के जो अनुभव रहे हैं उनसे क्या कुछ सीख मिलती है? इनमें से पहले सवाल को छोड़ बाकी के जवाब हां हैं। इजराइल अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लंबे समय से लड़ रहा है। वह इसलिए निराश होगा कि ईरान में सरकार नहीं बदली। लेकिन ईरान कमजोर हुआ है, उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा है और उसका मिसाइल सिस्टम काफी हद तक खत्म हो गया है- ये सब कम कीमत पर मिली बड़ी सफलताएं हैं। लेबनान में भी हिज्बुल्ला का कमजोर होना उसके लिए फायदा ही है। अगर इजराइल अपने आसपास की स्थिति देखते हुए अपने लिए थोड़ा समय चाहता था, तो यह अच्छी रणनीति थी। लेकिन अमेरिका का क्या? वह ईरान में सत्ता बदलना चाहता था, उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना चाहता था और खाड़ी देशों (जीसीसी) को सुरक्षा का भरोसा देना चाहता था। इन तीनों में वह सफल नहीं हो पाया।ईरान में वही सरकार बनी रही, बल्कि अब ज्यादा कट्टरपंथी लोग सत्ता में आ गए हैं। जहां तक यूरेनियम का सवाल है, ईरान उसे वापस करने या अपने परमाणु कार्यक्रम को निगरानी में लाने को तैयार नहीं है। उसके मिसाइल लॉन्चर जरूर कम हुए हैं, लेकिन उन्हें रोकने वाले सिस्टम भी कम हो गए हैं। जब-जब ट्रम्प या उनके 'सेक्रेटरी ऑफ वार' पीट हेगसेथ कहते हैं कि ईरान की नौसेना और वायुसेना खत्म हो गई है, तब हंसी आती है।

क्यों शिक्षा किसी भी करियर की 'सबसे अहम बीज' है?

नागेश एक स्थानीय कॉलेज में लेक्चरर थे। उन्हें खुशी थी कि अपने खेतीबाड़ी के पारिवारिक पेशे की तुलना में उन्हें यहां विद्यार्थियों से खूब सम्मान मिलता था। उनका परिवार पूरी तरह खेती पर निर्भर था और परिजनों को भरोसा था कि उनकी एक एकड़ जमीन हमेशा परिवार का पेट भरती रहेगी। इसी पारिवारिक दबाव के चलते 31 साल के इस लेक्चरर ने नौकरी छोड़ कर बेंगलुरु के निकट परिवार की जमीन पर खेती करने का फैसला किया।

खीरे की अच्छी फसल की उम्मीद में उन्होंने श्रीगंगाधरेश्वर ट्रेडर्स से संपर्क किया, जिसने उसे सुवर्णा हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के एफ-1 हाइब्रिड 'शांति कुकंबर' के बीज लेने का सुझाव दिया। नागेश ने 19 जुलाई, 2023 को

1750 रुपए में बीज के पांच पैकेट खरीदे और उसी दिन बो दिए। इसी दौरान उन्हें आईविज सीड्स के 'चित्रा कुकंबर' के दो पैकेट भी मिले और उन्होंने वो भी बो दिए। नागेश ने जमीन तैयार करने, खाद, मजदूरी, ट्रैक्टर किराया, क्यारी बनाने, बांस लगाने, सिंचाई का सामान लेने, उर्वरक और कीटनाशकों सहित खेती पर करीब 1.1 लाख रुपए खर्च किए। लेकिन शुरुआत में ही समस्या आ गई।

खराब अंकुरण के कारण 'शांति कुकंबर' वाले पौधों की बढ़ोतरी रुक गई। यह फसल रंग और आकार में कमजोर रही।

नागेश ने आपत्ति जताई तो डीलर ने उन्हें निर्माता के पास भेजा।कंपनी के प्रतिनिधि खेत पर आए, फसल देखी, फोटो ली और मामला आगे भेजने का भरोसा दिया।

फिर एक और प्रतिनिधि एक अन्य व्यक्ति के साथ आया, जिसे वह वैज्ञानिक बता रहा था। उन्होंने भी आश्वासन दिया कि मुआवजे पर विचार करेंगे।

राहुल बोले- कॉम्प्रोमाइज पीएम सवालों से भागते दिखे,मोदी ने नॉर्वे में पत्रकार को जवाब नहीं दिया था

नयी दिल्ली। आप वहां आकर अपने सवाल पूछ सकती हैं। पत्रकार

पर नाराज हुए विदेश मंत्रालय के अधिकारी-हेली लिंग प्रेस ब्रीफिंग में पहुंचीं। उन्होंने वहां पूछा, 'हम भारत पर भरोसा क्यों करें?' उन्होंने मानवाधिकार उल्लंघन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत में जो हो रहा है, क्या उसे रोका जाएगा। क्या प्रधानमंत्री कभी भारतीय प्रेस के कठिन सवालों का जवाब देंगे।' इस पर विदेश मंत्रालय में पश्चिम मामलों के सचिव सिबी जॉर्ज ने कहा, 'पहले यह समझना जरूरी है कि भारत क्या है। एक देश चार चीजों से बनता है- आबादी, सरकार, संप्रभुता और क्षेत्र। भारत 5 हजार साल पुरानी लगातार चलती आ रही सभ्यता है और हमने दुनिया को बहुत कुछ दिया है।' जब हेली बीच में बोलने लगीं तो सिबी जॉर्ज नाराज हो गए। उन्होंने कहा, 'कृपया मुझे बीच में मत रोकिए। आपने पूछा है कि दुनिया भारत पर भरोसा क्यों करे तो मुझे जवाब देने दीजिए।' भारतीय अधिकारी बोले- मुझे मत बताइए जवाब कैसे देना है-भारतीय अधिकारी ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भारत ने दूसरे देशों की मदद की और वैक्सीन पहुंचाई। यही भरोसे की असली वजह है। भारत ने जी20 और एआई समिट जैसे मंचों पर भी दुनिया के अहम मुद्दे उठाए और जिम्मेदार भूमिका निभाई। जब हेली लिंग ने फिर कहा कि मैं सीधे जवाब चाहती हूं तो सिबी जॉर्ज ने कहा, 'ये मेरा अधिकार है कि मैं कैसे जवाब दूं। आप सवाल पूछिए, लेकिन मुझे यह मत बताइए कि जवाब कैसे देना है। हम दुनिया की आबादी का छठा हिस्सा हैं, लेकिन दुनिया की समस्याओं का छठा हिस्सा नहीं हैं।' मौलिक अधिकार पर बोले- लोगों के पास कोर्ट जाने का अधिकार-सिबी जॉर्ज ने भारतीय संविधान और लोकतंत्र का बचाव करते हुए कहा कि भारत में लोगों को मौलिक अधिकार मिले हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी के अधिकारों का उल्लंघन होता है तो उसके पास अदालत जाने का अधिकार है और भारत को अपने लोकतंत्र पर गर्व है। सिबी जॉर्ज ने विदेशी मीडिया और कुछ एनजीओ पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों को भारत के आकार और यहां के मीडिया सिस्टम की समझ नहीं है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली में ही 200 से ज्यादा टीवी चैनल हैं। अंग्रेजी, हिंदी और कई भाषाओं में हर दिन लगातार ब्रेकिंग न्यूज चलती है। लोग कुछ अनजान एनजीओ की रिपोर्ट पढ़ लेते हैं और फिर सवाल पूछने आ जाते हैं।' पीएम के सवाल न लेने पर कहा- मीडिया को जवाब देना हमारी जिम्मेदारी-प्रधानमंत्री मोदी के सवाल न लेने पर भी सिबी जॉर्ज से सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि इस दौरे के दौरान मीडिया को जानकारी देना हमारी जिम्मेदारी है और हम यह काम करते रहेंगे। बाद में पत्रकार हेली लिंग ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने और उनके सहयोगी ने मानवाधिकार और भारत पर भरोसे से जुड़े सवाल पूछे थे, लेकिन उन्हें सीधे जवाब नहीं मिले। भारतीय अधिकारियों ने कोविड, योग और भारत की उपलब्धियों की बातें ज्यादा कीं। बाद में उन्होंने एक अलग पोस्ट में सफाई भी दी। उन्होंने लिखा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे यह लिखना पड़ेगा, लेकिन मैं किसी विदेशी सरकार की जासूस नहीं हूं। मैं सिर्फ पत्रकार हूं और नॉर्वे में पत्रकारिता का काम करती हूं।'

26 मई को खत्म होगा 57 हजार प्रधानों का कार्यकाल,प्रशासनिक समिति के हाथ आएगी कमान

लखनऊ। यूपी की 57 हजार 695 ग्राम पंचायतों में प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को खत्म हो रहा है। लेकिन पंचायत चुनाव कब होंगे

यह अभी तय नहीं है।ऐसे में पंचायतीराज विभाग ने ग्राम प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने के बाद कामकाज संभालने के लिए प्रशासक की नियुक्ति या प्रशासनिक समिति के गठन का प्रस्ताव कैबिनेट को भेजा है। कुछ दिनों में प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है। पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बताया था कि 12 जुलाई तक पंचायत चुनाव हो जाएंगे। प्रधान संघ की मांग 'प्रशासनिक समिति' गठित हो- राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहते हैं कि संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने 20 अप्रैल को सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करके प्रशासनिक समिति गठित करने की मांग की थी। उसके बाद 16 मई को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मुलाकात करके सामने भी यही मांग रखी गई थी। वहीं, संगठन के उपाध्यक्ष ललित कुमार शर्मा बताते हैं- पंचायत चुनाव समय पर न होने पर राज्य सरकार या जिलाधिकारी, पंचायतीराज एक्ट 1947 की धारा 12 की उपधारा 3ए के तहत प्रशासक या प्रशासनिक समिति गठित कर सकती है। प्रशासनिक समिति में ग्राम प्रधान या सरकार की ओर से निर्धारित अध्यक्ष होते हैं। वहीं, ग्राम प्रधान समेत पंचायत के वार्ड सदस्य, ग्राम पंचायत सहायक को सदस्य नियुक्त किया जाता है। प्रशासक नियुक्त होने से आती हैं व्यावहारिक कठिनाइयां- प्रधान संगठन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह बताते हैं कि ग्राम पंचायतों में सरकारी कर्मचारी को प्रशासक नियुक्त करने से ग्रामीणों के सामने कई तरह की व्यावहारिक समस्याएं सामने आती हैं। सरकारी अधिकारी के प्रशासत नियुक्त होने से वित्तीय अनियमितता की आशंका बढ़ती है। 2021 में प्रशासकों ने चार हजार करोड़ रुपए खर्च किए थे, लेकिन उसका हिसाब-किताब नहीं मिला। प्रशासक उस ग्राम पंचायत का निवासी नहीं होता है इसलिए बाहरी व्यक्ति को क्षेत्र के सामाजिक ताने-बाने का पता नहीं होता। उदाहरण के लिए अगर किसी की बेटी की शादी है तो ग्राम प्रधान 50 हजार रुपए दे सकते हैं लेकिन प्रशासक यह काम नहीं करते हैं। चुनाव के दौरान भी ग्राम प्रधान आपसी समन्वय से शांति व्यवस्था बनाने, मतदान बढ़ाने में भूमिका निभाते हैं लेकिन प्रशासक का लोगों से उतना गहरा संबंध नहीं होता है। अधिकारी बोले- ग्राम पंचायत सहायक बनेंगे प्रशासक- पंचायतीराज विभाग के निदेशक अमित सिंह बताते हैं कि ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है। शासन स्तर से प्रशासक की नियुक्ति होगी। अधिकारी ने बताया कि पंचायतों के 'ग्राम पंचायत सहायक' को ही 'प्रशासक' नियुक्त करने का प्रावधान है। जब तक चुनाव नहीं होते तब तक प्रशासक ही ग्राम पंचायत का कामकाज संभालता है। प्रशासक नियुक्त किए जाने की 3 वजहें- 1. पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन अभी तक नहीं हुआ है, ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई तक है जबकि लिस्ट का अंतिम प्रकाशन 10 जून को होगा। 2. पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए ओबीसी आयोग के गठन का प्रस्ताव कैबिनेट से मंजूर हो गया है। आयोग गठन के तीन से छह महीने के अंदर रिपोर्ट पेश करेगा। उसके बाद चुनाव के लिए आरक्षण का निर्धारण होगा। इसमें छह महीने का समय लग सकता है। 3. सरकार पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव के बाद कराने का विचार कर रही है। राजनीतिक दल भी सैद्धांतिक रूप से सहमत है, लेकिन मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट में विचाराधीन है।

अभिषेक बनर्जी अपने खिलाफ एफआईआर रद्द कराने हाईकोर्ट पहुंचे,21 मई को सुनवाई हो सकती है

कोलकाता। ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने अपने खिलाफ

दर्ज एफआईआर रद्द कराने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। उनपर बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषण देने और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ धमकी भरा बयान देने का आरोप है। टीएमसी सांसद और वरिष्ठ वकील कल्याण बनर्जी ने कहा कि मामला 21 मई को जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आ सकता है। याचिका में एफआईआर रद्द करने की मांग की गई है। यह मामला सामाजिक कार्यकर्ता राजीब सरकार की शिकायत पर दर्ज हुआ। उन्होंने चुनाव नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद 5 मई को बागुईआटी पुलिस स्टेशन में शिकायत दी थी। बाद में उन्हें साइबर क्राइम शाखा भेजा गया। इसके बाद 15 मई को उत्तर 24 परगना के बिधाननगर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर के मुख्य पॉइंट्स-27 अप्रैल से 3 मई के बीच अभिषेक के चुनावी भाषणों का जिक्र है। इनके वीडियो लिंक भी पुलिस को दिए गए हैं। शिकायतकर्ता ने 7 अप्रैल की कोलकाता रैली के उस बयान का भी हवाला दिया, जिसमें अभिषेक ने कहा था- 4 मई को देखूंगा उन्हें बचाने कौन आता है, दिल्ली से कौन-सा गॉडफादर उन्हें बचाने आता है।' अभिषेक के खिलाफ बीएनएस की धारा 196 (वैमनस्य/नफरत फैलाना), 351 (आपराधिक धमकी), 353(1)(सी) (नफरत भड़काने वाली गलत सूचना फैलाना) समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। धारा 196 गैर-जमानती है, जिसमें 3 साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। शाह पर अभिषेक बनर्जी के पिछले 4 बयान-10 अप्रैल 2026: अभिषेक ने शाह के घुसपैठ वाले आरोप पर जवाब देते हुए कहा था- अगर घुसपैठ हो रही है तो इसकी जिम्मेदारी अमित शाह की है। सीमा सुरक्षा बीएसएफ और गृह मंत्रालय के अधीन है, राज्य सरकार के नहीं। 16 अप्रैल 2026: पूर्व मेदिनीपुर के भगवानपुर की रैली में कहा- अमित शाह को चैलेंज करता हूं, अगर दम है तो 4 मई को कोलकाता में रहिएगा। 12 बजे के बाद मुलाकात होगी। 4 मई को पता चलेगा कि आप कितने बड़े गुंडे हैं। खेला तुम लोगों ने शुरू किया है, बाकी टीएमसी करेगी। 25 अप्रैल 2026: चुनाव प्रचार के दौरान अभिषेक ने कहा- अमित शाह मतदाताओं को धमकाने की राजनीति कर रहे हैं। बीजेपी को हार दिख रही है, इसलिए डर का माहौल बनाया जा रहा है।' 2 मई 2026: उन्होंने कहा- अमित शाह और चुनाव आयोग दोनों सुन लें, 4 मई को बंगाल की जनता जवाब देगी। लोकतंत्र को दबाने की हर कोशिश का जवाब मिलेगा।

दावा- इमरान खान का तख्तापलट अमेरिकी साजिश थी,पाकिस्तानी सेना ने साथ दिया

इस्लामाबाद/वॉशिंगटन। बात अविश्वास प्रस्ताव तक पहुंची। लू ने संकेत दिया कि पीटीआई समर्थित उम्मीदवारों ने सबसे ज्यादा सीटें जीतीं। इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ की खुलकर तारीफ की।

इमरान सत्ता में रहे तो पाक अकेला पड़ जाएगा।

मजीद ने पत्र में लिखा कि यह संदेश वाइट हाउस की मंजूरी के बिना संभव नहीं था। इमरान के हटने के बाद पाकिस्तान की राजनीति कैसे बदली-अप्रैल 2022: इमरान के हटने के अगले दिन शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री बने।

नवंबर 2022: सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा रिटायर हुए।

उनकी जगह आसिम मुनीर नए आर्मी चीफ बने। इमरान ने आरोप लगाया था कि यह नियुक्ति नवाज शरीफ से सलाह के बाद हुई।

9 मई 2023: भ्रष्टाचार मामले में इस्लामाबाद हाईकोर्ट परिसर से इमरान गिरफ्तार हुए। इसके बाद पाकिस्तान में हिंसा भड़क गई।

अक्टूबर 2023: नवाज शरीफ पाकिस्तान लौटे।

उनके खिलाफ कई मामलों में राहत मिली।

2024 चुनाव: दिसंबर 2023 में पीटीआई का चुनाव चिन्ह बैट छीन लिया गया। उम्मीदवारों को निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ा।

पीएमएल एन और पीपीपी ने गठबंधन सरकार बना ली। 2025 में मुनीर की ताकत और बढ़ी: रिपोर्ट के मुताबिक, संवैधानिक बदलावों के बाद आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज बनाया गया।

इससे सेना, रक्षा ढांचे और पाकिस्तान की परमाणु कमान पर उनकी पकड़ मजबूत हुई। इमरान के बाद अमेरिका-पाक रिश्तों में नजदीकी-इमरान के सत्ता से जाने के बाद पाकिस्तान और अमेरिका के रिश्तों में गर्माहट आई।

दोनों देशों के रिश्ते रणनीतिक और कारोबारी समझौतों तक पहुंच गए। पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता किया, जिसका इमरान सरकार ने विरोध किया था।

पाकिस्तान में क्रिप्टो काउंसिल बनी। ट्रम्प परिवार की कंपनी एलएफ के साथ 36 अरब डॉलर की रेमिटेंस पाइपलाइन से जुड़ा समझौता हुआ। 500 मिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज समझौते भी हुए।

गाजा फोर्स के लिए सैनिक भेजने की पेशकश भी की गई।

इमरान ने पहले ही विदेशी साजिश का आरोप लगाया था- इमरान खान ने सरकार गिरने के समय भी विदेशी साजिश का आरोप लगाया था। मार्च 2022 में एक रैली में उन्होंने एक कागज लहराते हुए दावा किया था कि उनकी सरकार गिराने की साजिश रची गई है।

बाद में यही मामला साइफर केस बना। अब इस रिपोर्ट के बाद इमरान की पार्टी पीटीआई ने कहा है कि साइफर वास्तविक था।

पार्टी महासचिव सलमान अकरम राजा ने कहा, 'अब साबित हो गया कि साइफर सच था।' इमरान खान पर अब तक 188 मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

वह अगस्त 2023 से जेल में हैं। अल-कादिर ट्रस्ट केस में उन्हें 14 साल की सजा सुनाई गई है।

साइफर केस में जनवरी 2024 में इमरान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को 10-10 साल की सजा सुनाई गई थी। बाद में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने यह सजा रद्द कर दी थी।

लग्जरी घड़ी की नई दीवानगी,लॉन्च होते ही हंगामा,बवाल कहीं पुलिस बुलाई तो कहीं आंसू गैस छोड़ी

लंदन/मुंबई। स्विस कंपनी स्वॉच और लग्जरी वॉच मेकर

ऑडेमर्स पिग्वे की नई लिमिटेड एडिशन 'रॉयल पॉप' पॉकेट घड़ी के लिए दुनियाभर में अनूठा क्रेज दिख रहा है। 16 मई को लॉन्च की घोषणा से पहले लोग इसे खरीदने के लिए कई-कई दिन से स्टोर्स के बाहर लाइन लगाकर बैठे रहे। 16 मई को लॉन्चिंग के बाद यूरोप, अमेरिका और मध्य-पूर्व और के कई शहरों में अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। कहीं झगड़े हुए, कहीं स्टोर्स बंद करने पड़े और कई जगह हालात संभालने के लिए पुलिस तक बुलानी पड़ी। दो दिन बाद भी कई शहरों में स्वॉच के स्टोर्स बंद हैं। स्वॉच ने सोशल मीडिया पोस्ट में लोगों से बड़ी संख्या में स्टोरों पर न आने का अनुरोध किया है। आमतौर पर ऑडेमर्स पिग्वे की घड़ियां लाखों-करोड़ों रुपए की होती हैं, लेकिन विशेष पॉकेट वॉच काफी कम कीमत में मिल रही है। लोगों को उम्मीद है कि बाद में इसे ज्यादा दाम में बेचा जा सकेगा। इसी वजह से युवा खरीदार, कलेक्टर और रीसेलर बड़ी संख्या में इसे खरीदने पहुंच रहे हैं। कई वेबसाइट्स पर इसकी रीसेल कीमत लॉन्च प्राइस से कई गुना ज्यादा बताई जा रही है। इनमें ऑडेमर्स पिग्वे की प्रसिद्ध 'रॉयल ओक' सीरीज की ऑक्टागोनल डिजाइन और स्वॉच की 80 के दशक की 'पॉप' शैली का मिश्रण है। पहली बार स्वॉच ने अपने प्रतिष्ठित सिस्टम51 यांत्रिक मूवमेंट को हाथ से चाबी भरने वाले कैलिबर में बदलकर इनमें शामिल किया है। इनमें पारदर्शी सैफायर केसबैक, ओपन मेनस्प्रिंग बैरल और प्रीमियम सुपर-लुमिनोवा कोटिंग है जो रात में भी अच्छी विजिबिलिटी देती है। ऑडेमर्स पिग्वे की करोड़ों रुपए वाली घड़ियों के डिजाइन कॉपी करके बनी ये घड़ियां करीब 350 पाउंड (45 हजार रु.) में मिल रही हैं। इन घड़ियों को ऑनलाइन 16,000 पाउंड (20 लाख रुपए) तक में बेचा गया है। लंदन, पेरिस में भीड़ संभालने पुलिस बुलाई-न्यूयॉर्क में स्टोर के बाहर डेरा डाले कई लोग बीमार पड़ गए। लंदन में पुलिस डॉग्स तैनात करने पड़े। पेरिस में पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। मिलान में भी पुलिस बुलानी पड़ी। दुबई सहित कई शहरों में लॉन्च इवेंट रद्द करने पड़े। भारत : मुंबई-दिल्ली में भारी भीड़, इवेंट हुआ रद्द-भारत में मुंबई के पैलेडियम मॉल स्थित स्वॉच बुटीक और दिल्ली के सेलेक्ट सिटीवॉक स्टोर पर भारी भीड़ जुटी। दोनों शहरों में लॉन्च से कई घंटे पहले ही लंबी कतारें लग गई थीं। सुरक्षा कारणों को देखते हुए लॉन्च इवेंट ही निरस्त कर दी गई।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन सितंबर में भारत आएंगे,ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी साल सितंबर में भारत आएंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को कहा कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी ने पुतिन को दिसंबर 2025 में उनके भारत दौरे के दौरान आधिकारिक तौर पर समिट में शामिल होने का न्योता दिया था। एक साल के भीतर पुतिन का यह दूसरा भारत दौरा होगा। पीएम मोदी भी इसी साल रूस दौरे पर जाएंगे। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में भारत आए थे। उस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। 2025 का दौरा इसलिए भी खास माना गया था, क्योंकि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा था। इससे पहले वह आखिरी बार 2021 में नई दिल्ली आए थे। ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता कर रहा है भारत-इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया जैसे नए सदस्य भी शामिल हो चुके हैं। भारत की अध्यक्षता के दौरान पूरे साल देश के अलग-अलग शहरों में कई बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कार्यकारी समूहों की चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं। भारत ने अपनी अध्यक्षता का फोकस 'ग्लोबल साउथ' यानी विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आतंकवाद विरोधी सहयोग और सप्लाई चेन को मजबूत करने पर रखा है। भारत यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि ब्रिक्स सिर्फ राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश, तकनीक और विकास से जुड़ा बड़ा आर्थिक समूह भी बन सकता है। इस महीने की शुरुआत में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी भारत आए थे।

ईरान जंग के बीच 8000 पाकिस्तानी सैनिक सऊदी में तैनात,जेएफ-17 फाइटर जेट्स और ड्रोन स्क्वाड्रन भी भेजे, खर्च सऊदी सरकार उठाएगी

तेहरान। ईरान जंग के बीच पाकिस्तान ने सऊदी अरब में 8 हजार सैनिक, फाइटर जेट्स और एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किए

हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, यह तैनाती दोनों देशों के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत की गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने करीब 16 जेएफ-17 फाइटर जेट्स, ड्रोन स्क्वाड्रन और चीन में बने एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम भी सऊदी अरब भेजे हैं। पाकिस्तानी सैनिक इन्हें ऑपरेट कर रहे हैं, जबकि खर्च सऊदी अरब उठा रहा है। जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान और सैनिक भेजने के लिए भी तैयार है। हालांकि पाकिस्तान की सेना, विदेश मंत्रालय और सऊदी सरकार ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। इस बीच ईरान ने अमेरिका सो होर्मुज की नाकाबंदी खत्म करने को कहा है। ऐसा न करने पर ओमान सागर को अमेरिकी सेना का कब्रगाह बनाने की धमकी दी है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. यूएई के न्यूक्लियर प्लांट पर ड्रोन हमला: यूएई के बराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बाहर ड्रोन हमले के बाद आग लग गई। शुरुआती जांच में ईरान पर शक जताया जा रहा है। यह पहली बार है जब यूएई के न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाया गया। 2. होर्मुज पार कर भारत पहुंचे 15 एलपीजी जहाज: मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला एलपीजी टैंकर 'सिमी' 20 हजार टन गैस लेकर कांडला पोर्ट पहुंचा। जंग शुरू होने के बाद अब तक 15 एलपीजी जहाज भारत पहुंच चुके हैं। 3. भारत बोला- होर्मुज में शिपिंग रोकना मंजूर नहीं: यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में कॉमर्शियल शिपिंग रोकना अस्वीकार्य है। 4. ट्रम्प का नया ऑफर- ईरान 20 साल परमाणु कार्यक्रम रोके: ट्रम्प ने पहली बार स्थायी रोक के बजाय 20 साल के लिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सस्पेंड करने की बात कही। साथ ही ईरान को चेतावनी दी कि उसका समय तेजी से खत्म हो रहा है। 5. सीजफायर के बावजूद लेबनान पर इजराइली हमले जारी: संघर्ष विराम बढ़ने के बावजूद इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में 30 से ज्यादा हमले किए। हजारों लोग पलायन कर रहे हैं।

जान्हवी कपूर ने किया बॉडीगार्ड को इशारा,तुरंत सेल्फी ले रहे फैन पर लिया गया एक्शन

मुंबई। सोमवार को अपकमिंग फिल्म पेड्डी का ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया था। मुंबई के बीकेसी में हुए इस इवेंट में जान्हवी कपूर और रामचरण समेत जिसके ठीक बाद गार्ड ने उस शख्स का हाथ पकड़कर धक्का देकर मंच से नीचे उतार दिया। वीडियो सामने आने के बाद कई लोग जान्हवी की आलोचना कर

फिल्म की स्टारकास्ट पहुंची थी। इस दौरान एक फैन का नजदीक आकर सेल्फी लेना जान्हवी कपूर को पसंद नहीं आया और उन्होंने बॉडीगार्ड को इशारा कर तुरंत उसे अलग करवा दिया। पेड्डी ट्रेलर लॉन्च इवेंट से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें जान्हवी कपूर मंच पर हैं। तभी एक फैन उनके काफी करीब आया और सेल्फी लेने लगा। उसके आते ही जान्हवी कपूर ने पास खड़े बॉडीगार्ड को एक नजर देख इशारा किया,

रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा है, मुझे समझ नहीं आता कि इन लोगों को इतना अटेंशन क्यों देते हैं। ये लोग भूल जाते हैं कि ये लोग पब्लिक की वजह से ही हैं और हमारे बिना कुछ नहीं हैं। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है, इसलिए इनकी मूवी नहीं चलती है। जिनकी वजह से इंडस्ट्री हैं, उनकी ही रिस्पेक्ट नहीं करते। नेपोकिड्स हैं, तो मूवी मिल रही है और दिखाना करना अच्छा होने का। बाकी असल में इनके पास कुछ नहीं है।

पंजाबी सिंगर की हत्या, लाश नहर में मिली,कनाडा से आया कातिल, लुधियाना से गनपॉइंट पर किडनैप किया-जबरन शादी करना चाहता था

लुधियाना। लुधियाना में पंजाबी सिंगर इंदर कौर उर्फ यशइंदर कौर (29) की हत्या कर दी गई। आज सुबह 11 बजे उनका शव नीलो नहर

में मिला। इंदर को 6 दिन पहले गन गनपॉइंट पर किडनैप किया गया, जिसके बाद से परिवार लगातार उनकी तलाश में जुटा हुआ था। परिवार ने कहा कि मोगा का रहने वाला व्यक्ति जबरदस्ती शादी करने का दबाव बना रहा था। मना करने पर उसने किडनैप कर लिया था। फिर हत्या करने के बाद वह कनाडा भाग है। वह हत्या करने के लिए ही कनाडा से नेपाल के रास्ते पंजाब आया था, फिर इसी रास्ते वापस भाग गया। 5 साल पहले दोनों की इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी, लेकिन जैसे ही इंदर को पता चला कि आरोपी शादीशुदा है और उसके बच्चे हैं, तो उसने शादी करने से मना कर दिया था, इसी बात से आरोपी खुन्नस रखने लगा था।फिलहाल पुलिस ने मृतका के शव को नहर से बाहर निकलवा लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए समराला के सिविल अस्पताल में भेज दिया है। इंदर के माता-पिता और दो भाई कोरिया में रहते हैं। जबकि उसका एक भाई लुधियाना के जमालपुर में रहता है। सिंगर के भाई जोतइंदर सिंह ने कहा कि, इंदर कौर 13 मई को रात करीब साढ़े 6 बजे अपनी सफेद रंग की फोर्ड फिगो कार लेकर बाजार से घर का राशन-पानी (ग्रॉसरी) लेने निकली थी, लेकिन वह वापस घर नहीं लौटी। जब लड़की वापस नहीं आई, तो परिवार वालों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश शुरू की। छानबीन के दौरान उन्हें पता चला कि यशइंदर की दोस्ती सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा नाम के एक व्यक्ति से थी, जो मूल रूप से मोगा का रहने वाला है, लेकिन अभी अपने परिवार के साथ कनाडा में रहता है। 13 मई की रात को सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा, उसके पिता प्रीतम सिंह, उसके दोस्त करमजीत सिंह और कुछ अन्य अज्ञात साथियों ने मिलकर यशइंदर कौर को गनपॉइंट पर जान से मारने की नीयत से अगवा कर लिया।

40 के बाद हड्डियां होतीं हैं कमजोर,शरीर के 10 इशारों को इग्नोर न करें, डॉक्टर से जानें हड्डियां मजबूत बनाने के 11 टिप्स

नयी दिल्ली। 40 की उम्र के बाद हड्डियों में कमजोरी एक 'साइलेंट' प्रॉब्लम है, जो धीरे-धीरे बढ़ती है। यह अक्सर तब सामने आती है, जब फ्रैक्चर या दर्द होता है। दरअसल उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कैल्शियम का अवशोषण कम हो जाता है और बोन डेंसिटी घटने लगती है। महिलाओं में मेनोपॉज के बाद

यह प्रक्रिया और तेज हो जाती है। खराब लाइफस्टाइल, विटामिन डी की कमी, एक्सरसाइज की कमी और गलत खानपान इस खतरे को बढ़ा सकते हैं। परेशानी की बात यह है कि शुरुआत में इसके लक्षण बहुत स्पष्ट नहीं होते। इसलिए लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। अगर समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो बोन लॉस की प्रक्रिया को थोड़ा स्लो किया जा सकता है। आज 'जरूरत की खबर' में बोन हेल्थ पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे-हड्डियों की कमजोरी के क्या संकेत हैं? स्ट्रॉन्ग बोन हेल्थ के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा, सीनियर कंसल्टेंट, ऑर्थोपेडिक्स एंड स्पाइन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। कैल्शियम की कमी-उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कैल्शियम का अवशोषण कम हो जाता है। अगर डाइट से पर्याप्त कैल्शियम नहीं मिलता तो शरीर हड्डियों से कैल्शियम लेने लगता है। इससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। विटामिन डी की कमी-विटामिन डी कैल्शियम को शरीर में एब्जॉर्ब करने में मदद करता है। धूप में कम समय बिताने और खराब लाइफस्टाइल के कारण इसकी कमी हो जाती है। इससे हड्डियां कमजोर होती हैं। हॉर्मोनल बदलाव (खासकर महिलाओं में) महिलाओं में मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजेन हॉर्मोन तेजी से घटता है। यह हॉर्मोन हड्डियों को मजबूत रखने में मदद करता है। इसकी कमी से बोन लॉस बढ़ सकता है। बोन रिमॉडलिंग इंबैलेंस-हमारी हड्डियां लगातार टूटती और बनती रहती हैं। 30-35 साल की उम्र तक ये अपनी पीक स्ट्रेंथ पर होती हैं। 40 के बाद हड्डियां घिसने की प्रक्रिया तेज और बनने की प्रक्रिया स्लो हो जाती है.इसके कारण हड्डियां धीरे-धीरे पतली और कमजोर होने लगती हैं। लो फिजिकल एक्टिविटी-40 के बाद ज्यादातर लोग एक्टिव नहीं रहते हैं। हड्डियों की मजबूती के लिए फिजिकल एक्टिविटी जरूरी है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर पड़ती हैं। खराब लाइफस्टाइल-ज्यादा नमक, जंक फूड, कैफीन, शराब और स्मोकिंग हड्डियों से कैल्शियम कम करती हैं और बोन डेंसिटी घटाती हैं। कुछ बीमारियां और दवाएं-थायरॉइड, किडनी डिजीज जैसी बीमारियां हड्डियों को कमजोर बना सकती हैं। लंबे समय तक स्टेरॉयड लेने से भी हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। सवाल- हड्डियों की कमजोरी के क्या संकेत हैं? जवाब- हड्डियों की कमजोरी के शुरुआती संकेत बहुत हल्के होते हैं। इसलिए लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन समय रहते ये लक्षण

पहचान लिए जाएं तो बड़ी समस्या से बचा जा सकता है। सवाल- 40ञ् एज में किन लोगों को बोन लॉस का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों को इसका रिस्क ज्यादा होता है। इसके पीछे शरीर, लाइफस्टाइल और मेडिकल फैक्टर्स जिम्मेदार हैं। पॉइंटर्स में देखिए किन्हें ज्यादा रिस्क है- जिन्हें कैल्शियम/विटामिन डी की कमी है। जो फिजिकली कम एक्टिव रहते हैं। जो स्मोकिंग/ड्रिंकिंग करते हैं। जिनका बीएमआई बहुत कम है। जिनकी बोन डिजीज की फैमिली हिस्ट्री है। जिन्हें थायरॉइड है। जिन्हें किडनी डिजीज है। जिन्हें रूमेटाइड आर्थराइटिस है। जो मेडिकेशन पर हैं। जिनका सनलाइट एक्सपोजर कम है। जिनकी लाइफस्टाल खराब है। जिनकी उम्र 50 से ऊपर है। जिन महिलाओं को मेनोपॉज हो चुका है। सवाल- हड्डियां कमजोर होने से किन बीमारियों का रिस्क बढ़ता है? जवाब- कमजोर हड्डियां दर्द या थकान के साथ कई गंभीर बीमारियों का रिस्क बढ़ा सकती हैं। 40+ उम्र में यह रिस्क और ज्यादा हो जाता है। सवाल- बोन हेल्थ का पता कैसे लगाया जाता है? जवाब- बोन हेल्थ का सही आकलन सिर्फ लक्षणों से नहीं लगाया जा सकता है। इसके साथ टेस्ट और मेडिकल एसेसमेंट की भी जरूरत होती है।जैसेकि-बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) टेस्ट इसमें हड्डियों की डेंसिटी मापी जाती है। डुअल-एनर्जी एक्स-रे एब्जॉर्प्टियोमेट्री स्कैन किया जाता है। इससे पता चलता है कि हड्डियां नॉर्मल हैं, कमजोर हैं या ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियां पतली या कमजोर होना) है। एक्स-रे-इससे हड्डियों के स्ट्रक्चर और फ्रैक्चर का पता चलता है। हालांकि शुरुआती बोन लॉस इसमें नहीं दिखता है। ब्लड टेस्ट-कैल्शियम और विटामिन डी का लेवल जांचा जाता है। थायरॉइड या अन्य समस्याओं का भी पता चलता है। इससे हड्डियों की कमजोरी की वजह समझने में मदद मिलती है। फ्रैक्चर रिस्क एसेसमेंट टूल स्कोर यह एक कैलकुलेशन टूल है। यह उम्र, वजन, लाइफस्टाइल और मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर फ्रैक्चर रिस्क बताता है। शारीरिक संकेतडॉक्टर कुछ लक्षणों के आधार पर अंदाजा लगाते हैं। जैसे- बार-बार फ्रैक्चर लगातार हड्डियों में दर्द -लाइफस्टाइल (डाइट, एक्सरसाइज) मेडिकल हिस्ट्री सवाल- लाइफस्टाइल का बोन हेल्थ पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- संतुलित डाइट, रेगुलर एक्सरसाइज और पर्याप्त धूप लेने से हड्डियां मजबूत होती हैं। जबकि खराब खानपान, लो फिजिकल एक्टिविटी, स्मोकिंग और ड्रिंकिंग हड्डियों को कमजोर करते हैं। गलत आदतें धीरे-धीरे बोन डेंसिटी कम करती हैं और समय के साथ ऑस्टियोपोरोसिस का रिस्क बढ़ा सकती हैं। सवाल- स्ट्रॉन्ग बोन हेल्थ के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? जवाब- हेल्दी लाइफस्टाइल और सही आदतें बोन हेल्थ को स्ट्रॉन्ग बनाने में मदद करती हैं। बोन हेल्थ से जुड़े कॉमन सवाल और जवाब-सवाल- क्या बिना टेस्ट के भी बोन हेल्थ का पता चल सकता है? जवाब- नहीं, केवल लक्षणों से सटीक पता नहीं चलता। सही आकलन के लिए टेस्ट जरूरी होते हैं। सवाल- क्या बोन लॉस को पूरी तरह रोका जा सकता है? जवाब- पूरी तरह तो नहीं, लेकिन सही डाइट, रेगुलर एक्सरसाइज और हेल्दी लाइफस्टाइल से इसे काफी हद तक धीमा किया जा सकता है। सवाल- क्या हर व्यक्ति को 40 के बाद बोन डेंसिटी टेस्ट कराना चाहिए? जवाब- हां, लेकिन जिन्हें ज्यादा रिस्क है, उन्हें जरूर कराना चाहिए। जैसेकि-मेनोपॉज होने पर। जिन्हें पहले फ्रैक्चर हो चुका हो। जिन्हें कैल्शियम/विटामिन फ्रैक्चर रिस्क एसेसमेंट टूल की कमी है। जो लंबे समय से स्टेरॉयड ले रहे हैं। सवाल- क्या सिर्फ सप्लीमेंट लेने से हड्डियां मजबूत हो सकती हैं? जवाब- नहीं, सप्लीमेंट के साथ संतुलित डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल भी जरूरी है।सवाल- किन स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है? जवाब- इन स्थितियों में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है- किसी खास कारण के बिना लगातार हड्डियों में दर्द बना रहे।मामूली झटके में हड्डी टूट जाए। चलने-फिरने में दिक्कत या बैलेंस खराब हो। कमजोरी, थकान या मसल्स में दर्द हो। अगर बोन डिजीज की फैमिली हिस्ट्री हो। लंबे समय से स्टेरॉयड या अन्य दवाएं ले रहे हों। 50 साल से ज्यादा उम्र हो। सवाल- 40 की उम्र के बाद हड्डियां कमजोर क्यों होने लगती हैं? जवाब- 40 की उम्र के बाद हड्डियों का कमजोर होना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन यह अचानक नहीं होता। इसके पीछे कई कारण हैं।

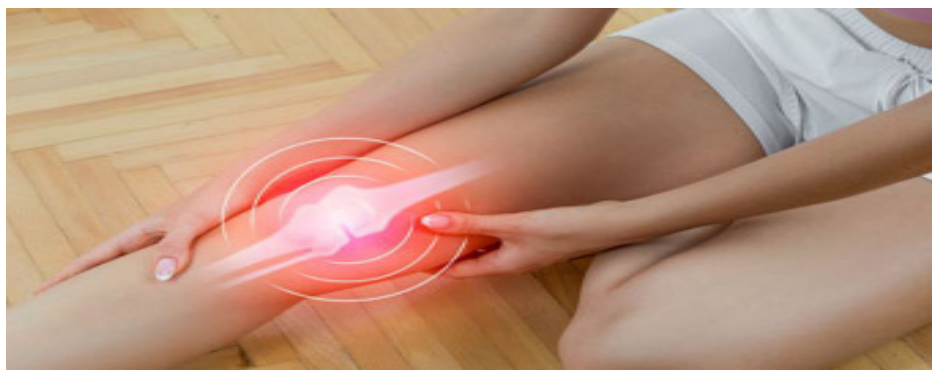

नवाजुद्दीन सिद्दीकी हुए 52 के,वॉचमैन बने तो मालिक बोले- इस मरे हुए को किसने रखा,सीन कटे तो थिएटर में रोए,दोस्त की गुमशुदगी से मिली सरफरोश

मुंबई। उत्तर प्रदेश के बुढ़ाना में जन्मे नवाजुद्दीन सिद्दीकी जब 17 साल के हुए तो उनके एक घर में टीवी आया। एक दिन नवाज की नजर पड़ोस में रहने वाली लड़की पर पड़ी। पहली नजर में ही उन्हें उस लड़की से प्यार हो गया। वो लड़की रोज टीवी देखने एक घर में जाती तो पीछे-पीछे नवाज भी वहीं

जाने लगे। दोनों घंटों उस घर में बैठते और कई बार नजरें टकरातीं। एक दिन नवाजुद्दीन ने हिम्मत कर लड़की का हाथ पकड़ लिया और कहा- 'टीवी मत देखो, मुझे देखो।'लड़की ने जवाब दिया- 'मैं तो टीवी ही देखूंगी।' इस पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने तैश में कहा- 'देखना, एक दिन मैं भी टीवी पर आऊंगा।' नवाज को गुस्सा करते देख लड़की उनका हाथ झटक कर वहां से चली गई। उसने भी एक पल के लिए जरूर सोचा होगा कि एक छोटे से गांव का सांवला, आम सी शक्ल का दुबला-पतला ये लड़का हीरो बनेगा? कुछ साल बाद नवाजुद्दीन ने अपनी कही बात सच कर दिखाई। ये मुमकिन हो सका उनकी लगन, संघर्ष और काबिलियत से, जिसे नवाजुद्दीन ने साल-दर-साल निखारा। इस सफर में नवाजुद्दीन कभी वॉचमैन बने, तो कभी 100 रुपए का नुकसान होने से 19 किलोमीटर पैदल चले। कभी तीन वक्त चाय-बिस्कुल में गुजारा किया, तो कभी स्टूडियो से बेइज्जती कर निकाले गए। कभी टीवी पर वेटर बने, चोर बने, तो कभी गुंडे, लेकिन फिर हुनर की बदौलत उनकी गिनती बॉलीवुड के सबसे मंझे हुए एक्टर्स में की जाने लगी। उनके कहे गए डायलॉग- 'बाप का, दादा का, भाई का सबका बदला लेगा तेरा फैजल', 'आखिर चाहिए क्या औरत को', 'मैं 15 मिनट तक अपनी सांस रोक सकता हूं, मौत को छू के टक से वापस आ सकता हूं', आज भी चाहनेवालों की जुबां पर रटे रहते हैं। वजह है उनका हुनर, कहने का सलीका और दमदार अभिनय। किस्सा- 1 चीफ केमिस्ट की नौकरी छोड़ी, फिर

वॉचमैन बनने के लिए मां के गहने रखे गिरवी-19 मई 1974-नवाजुद्दीन सिद्दीकी का जन्म उत्तर प्रदेश के बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर) में जमींदार के घर हुआ। प्री-मैच्योर नवाज 8 भाई-बहनों में सबसे बड़े थे। घरवाले खेती-किसानी करते थे, लेकिन नवाजुद्दीन को पढ़ाई में दिलचस्पी थी। 10 की उम्र में पिता ने अखाड़े भेजा, लेकिन बार-बार पिटाई होने पर उन्होंने इसे जारी रखने से इनकार कर दिया। शुरुआती पढ़ाई गांव से हुई और फिर पिता ने उनकी रुचि की कद्र करते हुए केमिस्ट्री में ग्रेजुएशन करने के लिए उनका दाखिला हरिद्वार के गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में करवा दिया। पढ़ाई के बाद उनकी वडोदरा की केमिकल फेक्ट्री में चीफ केमिस्ट की नौकरी लग गई। नवाज अपने परिवार के इकलौते थे, जिन्होंने ग्रेजुएशन किया था। एक महीने में ही नवाज इस काम से ऊब गए और नई नौकरी की तलाश में दिल्ली निकल पड़े। एक दिन मंडी हाउस में दोस्त का प्ले देखने गए नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने खुद भी एक्टिंग करने का फैसला कर लिया। उन्हें महसूस हुआ कि यही वो काम है, जिसे करके मैं कभी बोर नहीं हो सकता। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में दाखिला लेने के लिए एक प्ले ग्रुप जॉइन कर लिया। दरअसल, दाखिले के लिए स्टूडेंट के लिए 10 प्ले करना अनिवार्य होता था। प्ले के दिनों में गुजारा करना मुश्किल होने लगा। एक दिन नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन के बाहर बने सुलभ में पेशाब करते हुए नवाजुद्दीन सिद्दीकी की नजर सामने चिपके पैंप्लेट पर पड़ी। लिखा था, 500 सिक्योरिटी गार्ड, 300 वॉचमैन चाहिए। उस कंपनी के शाहदरा ऑफिस पहुंचे, तो कहा गया, नौकरी मिल जाएगी, लेकिन 5 हजार सिक्योरिटी डिपॉजिट देने होंगे। नवाजुद्दीन ने हामी भर दी। वो गांव गए, मां के सोने के गहने गिरवी रखकर पैसे लिए, जिसके डिपॉजिट से उन्हें नोएडा की एक खिलौने बनाने वाली कंपनी में वॉचमैन की नौकरी मिल गई। किस्सा- 2-धूप में बेहोश हुए, तो मालिक ने कहा- इस मरे हुए इंसान को किसने काम दिया-नवाजुद्दीन सिद्दीकी सुबह 9 बजे से 5 बजे तक वॉचमैन की नौकरी करते और शाम को सीधे मंडी हाउस पहुंचकर प्ले करते थे। डेढ़ सालों तक ये सिलसिला जारी रहा। वो जिस टॉय कंपनी में काम करते थे,वहां उन्हें कड़ी धूप में 8 घंटे खड़ा रहना पड़ता था, छांव के लिए कोई जगह ही नहीं थी, ऊपर से नवाज एकदम दुबले-पतले थे। कुछ देर में ही धूप और थकान के मारे वो गेट के कोने में बैठ जाते थे। बदकिस्मती से जैसे ही वो बैठते, वैसे ही उनके मालिक आ जाते। 5-6 बार यही हुआ। एक दिन वो धूप में खड़े-खड़े बेहोश हो गए। तभी वहां मालिक पहुंच गए। अगले दिन उन्होंने चिल्लाते हुए कहा- 'ये मरे हुए आदमी को किसने काम पर रखा। कौन लेकर आया है, हटाओ इसे।' नवाजुद्दीन ने जब डिपॉजिट वापस मांगा, तो जवाब मिला- 'गिरे तुम, गलती तुम्हारी, तो हम पैसे नहीं देंगे।' और इस तरह नवाज के 5000 डूब गए। संघर्ष के दिनों में वो ईस्ट दिल्ली के शकरपुर में किराए के कमरे में रहते थे। तब स्ट्रगल कर रहे एक्टर-कॉमेडियन विजय राज उनके रूम मेट थे। कमरे का किराया 150 रुपए था, तो दोनो 75-75 रुपए देते थे। दोनों तीन वक्त चाय-बिस्कुट खाकर गुजारा करते। कुछ समय बाद उन्हें प्लेज की बदौलत नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में दाखिला मिल गया। वहां रहने और खाने की भी व्यवस्था दी गई। किस्सा- 3-100 के 200 करने के लिए चौराहे में धनिया बेची-एनएसडी से पढ़ाई पूरी कर नवाजुद्दीन 1999 में बॉम्बे आ गए। एक दिन एक दोस्त ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी से कहा, '100 रुपए के 200 करने हैं।' नवाजुद्दीन ने झट से कहा- 'हां करना है, लेकिन कैसे।' जवाब मिला- 'धनिया बेचेंगे। चल साथ में।' नवाज दोस्त के साथ लोकल ट्रेन से गोरेगांव से दादर गए। सब्जी मंडी से 400 की थोक में धनिया खरीदी और गड्डियां बनाकर चौराहे में खड़े हो गए। नवाज तो चुप खड़े थे, लेकिन दोस्त जोर-जोर से चिल्ला रहा था- 'धनिया, 10 की एक गड्डी।' कोई ग्राहक नहीं आया और एक घंटे में धनिया काली पड़ गई। दोनों सब्जीवाले के पास गए और कहा, ये बिके भी नहीं काले अलग पड़ गए। दुकानवाले ने कहा- 'अरे इसे हर मिनट पानी देना पड़ता है।' इस बार नवाज ने गुस्से में कहा- 'तो ये बात पहले बतानी थी।' पैसे डबल करने के बदले और कम हो गए। पैसे नहीं थे तो दोनों बिना टिकट दादर से गोरेगांव आए। किस्सा- 4-विजय राज के साथ खाई वजन बढ़ाने की दवा, बिगड़ी बॉडी-स्ट्रगल के दिनों में एक्टर विजय राज और नवाजुद्दीन रूम मेट्स थे। कमरे का किराया 150 रुपए था, तो दोनों 75-75 देते थे। दोनों ही दुबले-पतले थे। एक दिन वजन बढ़ाने के लिए परेशान नवाजुद्दीन को देख विजय राज ने कहा- 'तू एक काम कर, मैं तुझे दवा लिखकर देता हूं, तू वो खा।' अपनी दवाइयां लिखकर दे दीं। वो भी वजन बढ़ाने के लिए वही दवा लेते थे। एक बार उनका वजन काफी बढ़ गया, लेकिन दवा छोड़ने पर वो फिर पतले हो गए। नवाजुद्दीन ने भी वही दवाइयां लीं। तब उनका वजन 50-51 किलो ही था। एक गोली खाते ही ऐसी भूख लगती थी कि वो घंटों तक खाते रहते थे। दवा लेते ही 15 दिनों में वो 65-67 किलो के हो गए। शरीर ऐसा बिगड़ा कि उन्हें दवा छोड़नी पड़ी और कुछ ही दिनों में वजन फिर घट गया। किस्सा- 5-पैसे बचाने के लिए सब्जीवाले के सामने अंधे बनने की करते रहे एक्टिंग-नवाजुद्दीन सिद्दीकी स्ट्रगल के दिनों में पैसे बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते थे। वो जहां किराए पर रहते थे, वहां पास में एक सब्जीवाला था। वो रोज, अंधे की एक्टिंग करते हुए सब्जी खरीदने जाते। दया करते हुए सब्जीवाला कम पैसे लेता। ऐसा नवाज ने पूरे 2 सालों तक किया। किस्सा- 6-प्ले में मनोज तिवारी बनते थे भालू, घंटों पेड़ बनकर खड़े रहते थे नवाज-थिएटर के दिनों में मनोज बाजपेई काफी फेमस हुआ करते थे। उन्हें

फिल्म बैंडिट क्वीन मिली थी। तभी नवाजुद्दीन सिद्दीकी और विजय राज को उनके साथ एक प्ले मिला। मनोज उसमें भालू बने थे और नवाजुद्दीन सिद्दीकी को रोल मिला पेड़ का। भालू बने मनोज जानबूझकर, पेड़ के पास आकर बॉडी को रगड़ते और खुजली की एक्टिंग करते थे। प्ले के चक्कर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी को घंटों पेड़ बनकर खड़े रहना पड़ता था। किस्सा- 7-दोस्त गायब हुआ तो संयोग से मिला फिल्म सरफरोश में पहला रोल-नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुंबई में जिस जगह रहते थे, वहां उनकी तरह स्ट्रगल कर रहे कई लोग रहते थे। उनके पास के कमरे में एक लड़का था, जिसका नाम था, निर्मल दास। नवाजुद्दीन उसके अच्छे दोस्त थे। निर्मल दास की उस समय फिल्म सरफरोश में टेररिस्ट का रोल निभाने के लिए बात चल रही थी, लेकिन जिस दिन कास्टिंग वाले उन्हें ढूंढते हुए आए, वो अपने कमरे में ही नहीं थे। नवाजुद्दीन सिद्दीकी वहीं पास में टहल रहे थे। निर्मल दास नहीं मिला तो, कास्टिंग वालों ने नवाजुद्दीन को रोककर पूछा कि क्या आप एक फिल्म के लिए ऑडिशन देंगे। नवाजुद्दीन इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। झट से हां कहा और फिर डायरेक्टर जॉन मैथ्यू के घर उनका ऑडिशन लिया गया और उनका सिलेक्शन हो गया। फिल्म में उन्होंने 1 मिनट से भी कम समय का रोल किया, जिन्हें आमिर खान कस्टडी में लेते हैं। तब तो हर किसी ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया, किसी को उनका नाम तक नहीं पता था। लेकिन आज फिल्म देखकर हर कोई वो सीन देख कहता जरूर है- देखो वो नवाजुद्दीन है।जिस निर्मल दास की अचानक गुमशुदगी से नवाजुद्दीन सिद्दीकी को सरफरोश में काम मिला। वो सालों तक गायब रहा। किसी ने उसे नहीं देखा। फिर सालों बाद पता चला कि वो पागल हो चुका है। इसी तरह नवाजुद्दीन ने 2000 में आई फिल्म जंगल में भी काम किया था, लेकिन उनके लगभग सभी सीन काट दिए गए। उन्हें फिल्म की फीस नहीं मिली थी, तो वो रोज सेट पर खाना खाकर फीस वसूलते थे। किस्सा- 8-दोस्तों के अपनी फिल्म दिखाने पहुंचे, सीन कटे, तो वहीं खड़े रो पड़े-मुंबई में लंबी जद्दोजहद करते हुए नवाजुद्दीन सिद्दीकी को आमिर खान की फिल्म सरफरोश में टेररिस्ट का एक छोटा सा रोल मिल गया। उन्होंने सोच लिया कि छोटे-छोटे रोल ही मिल जाएं, तो उनके रहने-खाने का खर्च निकलता रहेगा। थोड़े ही पैसे मिले। इसके बाद उन्हें कमल हासन की फिल्म हे राम में एक अच्छा रोल मिला। फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई, तो नवाजुद्दीन अपने 5 दोस्तों को साथ ले गए। उनके लिए बड़ा रोल मिलना बड़ी बात थी।नवाज पहुंचे, तो डायरेक्टर-प्रोड्यूसर कमल हासन उनके पास आए और कहा- 'नवाज, अपने दोस्तों को बोल दो कि तुम्हारा रोल कट गया है।' नवाज घबरा गए और कहा- 'सर, क्या बात कर रहे हो, मैं अपने दोस्तों को लेकर आया हूं। क्या कुछ हो नहीं सकता। आप एक काम करो, यहां बैठे लोगों को मेरे सीन दिखा दो, बाद में भले ही फिल्म से निकाल देना। प्लीज सर मेरी बहुत बेइज्जती हो जाएगी।' कमल हासन ने कहा- 'नहीं ऐसा नहीं हो सकता, फिल्म कल ही रिलीज हो रही है। हम ऐसा नहीं कर सकते, लेकिन तुम दोस्तों से ईमानदारी से बोल दो।' नवाज जैसे ही दोस्तों के पास पहुंचे, सभी एक्साइटेड होकर पूछने लगे, 'अरे तुम्हारी डायरेक्टर से क्या बात हुई।' ये सुनते ही नवाज रो पड़े। उन्होंने रोते हुए दोस्तों से कहा- 'मेरा रोल कट चुका है। तुम लोग डिसाइड करो, अब फिल्म देखनी है या नहीं।' सबने तय किया कि आ गए हैं, तो फिल्म देख ही लेते हैं। किस्सा- 9-किराया नहीं था, तो सीनियर ने कुक बनाकर दी घर में जगह-छोटे-मोटे रोल से नवाजुद्दीन का गुजारा मुश्किल होने लगा। 2002 में एक समय ऐसा आया, जब उनके पास किराए के पैसे भी नहीं थे। नवाजुद्दीन ने जब एनएसडी के सीनियर्स से रहने के लिए जगह मांगी, तो उन्होंने शर्त रखी की मुफ्त में कमरे में रहने की इजाजत तो दे देंगे, लेकिन इसके बदले तुम्हें सबके लिए खाना बनाना होगा। नवाजुद्दीन मान गए और घर का काम कर वहीं रहते रहे। किस्सा-10-फिल्म में की दोस्त की नकल, फिल दोस्त को ही नहीं मिला काम-संघर्ष के दिनों में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का एक घनश्याम नाम को दोस्त हुआ करता था। घनध्याम तोतला था और उसकी बॉडी लैंग्वेज भी काफी अलग थी। जब छोटे-मोटे किरदारों के बाद नवाजुद्दीन को लंच बॉक्स में काम मिला, तो उन्होंने घनश्याम की तरह ही उसे निभाया। जब लंच बॉक्स रिलीज हुई, तो नवाजुद्दीन अलग फ्लैट में शिफ्ट हो चुके थे। फिल्म देखने के बाद दोस्त ने मैसेज कर कहा- 'मैंने लंच बॉक्स देखी थैंक्यू।' कुछ समय बाद ऐसा हुआ कि जब भी घनश्याम ऑडिशन देने जाते, तो उन्हें ये कहते हुए इनकार किया जाता कि ये रोल तो नवाजुद्दीन करके जा चुके हैं। और वो दोस्त रिजेक्शन के बाद खिजियाकर कहते, 'नहीं, मैं ओरिजिनल हूं, वो मेरी कॉपी करता है।' लेकिन उनकी बात कोई नहीं मानता था और भगा देता था। एक नजर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के करियर पर-नवाजुद्दीन ने सरफरोश से डेब्यू करने के बाद शूल, बायपास, मुन्नाभाई एमबीबीएस, आजा नचले, ब्लैक फ्राइडे, न्यूयॉर्क जैसी कई फिल्में कीं।नवाजुद्दीन ने पिपली लाइव से पहचान बनाई, लेकिन उन्हें स्टारडम 2012 की गैंग्स ऑफ वासेपुर से मिला। इस फिल्म के लिए उन्हें पहला अवॉर्ड नॉमिनेशन भी मिला। फिल्म लंच बॉक्स के लिए नवाजुद्दीन को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर के 2 अवॉर्ड मिले। अब तक नवाजुद्दीन सिद्दीकी को अलग-अलग कैटेगरी में 22 अवॉर्ड मिले हैं। मंटो, फोटोग्राफ और मोतीचूर चकनाचूर जैसी फिल्मों में उन्होंने लीड रोल निभाया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी सेक्रेड गेम्स, रात अकेली है जैसी ओटीटी पर आईं सीरीज और फिल्मों का भी हिस्सा रहे। नवाजुद्दीन इस साल रिलीज होने वाली फिल्मों सेक्शन 108, नूरानी चेहरा, संगीन और द ग्रेटर स्केपः फरार में भी नजर आएंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।